



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 42] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 18, 1980 (आश्विन 26, 1902)
No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 18, 1980 (ASVINA 26, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीकरण, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 सितम्बर 1980

सं. ए० 32014/2/80-प्रगा०-II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्ननियुक्त अधीक्षकों (हॉल) को 1-9-80 से 30-11-80 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप नियन्त्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है:—

1. श्री जे० एल० कपूर
2. कुमारी मंतोप हांडा

दिनांक 11 सितम्बर 1980

सं. ए० 32014/1/80-प्रगा०-II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा स्थायी अधीक्षक (हाल) श्री एम०

एल० धवन को 1-9-80 से 30-11-80 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप नियन्त्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं. ए० 12019/1/79-प्रगा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वर्गिष्ठ वैयक्तिक महायक श्री के० मुन्द्रम को एनड्डा 30-9-1980 से आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण आधार पर अध्यक्ष के विशेष महायक के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

2. श्री के० मुन्द्रम अध्यक्ष के विशेष महायक के संवर्ग वाला पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहे और उनका वेतन वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के सभी समय पर यथासंशोधित

का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)ई० III/60 दिनांक 4-5-1961 में समिहित उपबंधों के अनुमार नियमित होगा।

एस० सी० जैन
अनुभाग अधिकारी
कृते अधीक्षक
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय
का० एवं प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, विनांक 26 सितम्बर 1980

सं० ए०-19036/9/78-प्रणा० 5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर दिनांक 1-5-1980 से दिनांक 30-5-1980 तक 30 दिन की अर्जित छुट्टी के बाद श्री एम० जे० सरगुनार, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, मद्रास शाखा की सेवायें दिनांक 30-5-1980 से तमिलनाडु सरकार को वापस मौप दी गईं।

सं० ए० 19036/जी० एस० पी०/०/८०-प्रणा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रमाद से श्री मुकरघन राम, निरीक्षक को दिनांक 31-12-1979 से केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोत्सत करते हैं।

दिनांक 27 सितम्बर, 1980

सं० ए०-19036/16/८०-प्रणा०-५—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रमाद से निम्नलिखित निरीक्षकों को उनके नाम के सामने दी गई तिथियों में अपने आदेश के लिये केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में तदर्थ, आधार पर पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रोत्सत करते हैं:—

नाम	प्रोत्सति की तिथि
1. श्री एस० के० देव	6-9-1980 (पूर्वाह्नि)
2. श्री एम० एच० रिजर्वी	9-9-1980 (पूर्वाह्नि)

की० ला० ग्रोवर
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 सितम्बर 1980

सं० ए०-11-18/77-स्था०—श्री के० एस० बाजपाई मध्य प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी, जो केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर थे, दिनांक 31-8-80 के अपराह्न से सरकारी सेवा में सेवा-निवृत्त हो गये।

दिनांक 24 सितम्बर 1980

सं० एफ० 2/64/78-स्था० (मी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति, श्री तरुण कुमार सन्याल को केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल के महानिदेशालय में, महायक निदेशक विधि के पद पर आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री सन्याल ने दिनांक 1-9-80 के पूर्वाह्नि से कार्यभार संभाल लिया।

के० आर० के प्रमाद
महायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, विनांक 23 सितम्बर 1980

सं० ई-38013/3/9/80-कार्मिक—गोरखपुर को स्थानांतरण होने पर श्री डी० आर० लाल ने । अगस्त, 1980 के अपराह्न से डी०एस०पी०दुग्धपुर की के०श्री०सु०ब० यूनिट के महायक कमांडेट के पद पर कार्यभार संभाल लिया और श्री पी० पी० जानि एलेक्स ने श्रीहरिकोटा की स्थानांतरण होने पर, उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—उद्योगमण्डल से स्थानांतरण होने पर श्री के० आर० सी० नायर ने श्री पी० पी० जानि एलेक्स के स्थान पर 17 जुलाई, 1980 के अपराह्न से ट्यूटिकोरिन पोर्ट ट्रस्ट ट्यूटिकोरिन की के० श्री० एस० सु० ब० यूनिट के महायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री पी० पी० जानि एलेक्स ने श्रीहरिकोटा की स्थानांतरण होने पर, उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013/(3)/9/80-कार्मिक—युम्बा से स्थानांतरण होने पर श्री पी० आर० पिलै ने महायक कमांडेट श्री पी० डेविड के स्थान पर 31 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्नि से स्लेम स्टील ब्लॉट की के० एस० सु० ब० यूनिट में सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री पी० डेविड ने, दुग्धपुर को स्थानांतरण होने पर, उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—डोनामलाई से स्थानान्तरण होने पर श्री बी० बी० पूर्वप्या ने 25 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से एच० ई० सी० राची की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानान्तरण होने पर, श्री ए० के० सेनगुप्ता ने श्री एम० बालाकृष्णन् के स्थान पर 31 जुलाई, 1980 के अपराह्न से एम० पी० टी० मद्रास की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री एम० बालाकृष्णन् ने तमिलनाडु पुलिस में प्रत्यावर्तन होने पर उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—कलपक्कम से स्थानान्तरण होने पर श्री वी० लुईज राज से श्री एस० के० चक्रवर्ती के स्थान पर 5 अगस्त, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय, के० औ० सु० ब०, कलकत्ता के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री एस० के० चक्रवर्ती ने, विशाखापटनम को स्थानान्तरण होने पर, उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानान्तरण होने पर श्री आर० के० मुखर्जी ने श्री सी० एल० त्रिपाठी के स्थान पर 11 अगस्त, 1980 के अपराह्न से एच० सी० पी० राखा की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री सी० एल० त्रिपाठी ने, दीघाघाट में स्थानान्तरित होने पर, उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर श्री वाई० एन० खक्षा ने श्री एन० सी० सूद के स्थान पर 1 अगस्त, 1980 के अपराह्न से आई० डी० पी० एन० अधिकेश की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री एन० सी० सूद ने अहमदाबाद को स्थानान्तरण होने पर, उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—कलकत्ता से स्थानान्तरण होने पर, श्री एस० के० चक्रवर्ती ने 16 अगस्त, 1980 के अपराह्न एच० जैड० एल० विशाखापटनम की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)/9/80—कार्मिक—अहमदाबाद से स्थानान्तरण होने पर श्री अजीत सिंह ने 18 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से पश्च डायमण्ड माईन्स पश्च की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—दुर्गापुर से स्थानान्तरण होने पर, श्री डी० आर० लाल ने 11 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से एच० सी० आई० गोरखपुर की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—राखा से स्थानान्तरण होने पर, श्री सी० एल० त्रिपाठी ने 18 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से एच० सी० आई० (एच० एस० डी०) दीघाघाट की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—कानपुर को स्थानान्तरण होने पर श्री पी० आर० भट्ट ने 31 जुलाई, 1980 अपराह्न से एच० सी० आई० गोरखपुर की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—सलेम से स्थानान्तरण होने पर श्री पी० डेविड ने 16 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से डी० एस० पी० दुर्गापुर की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-16013(2)/1/80—कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, भारतीय पुलिस सेवा (उडीसा-67) के श्री जी० सी० लेनका ने 29 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से आर० एस० पी० राउरकेला की के० औ० सु० ब० यूनिट के कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—भिलाई से स्थानान्तरण होने पर श्री एन० के० सेन ने 26 जुलाई, 1980 के अपराह्न से आर० एस० पी० राउरकेला की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—हसाहाबाद स्थानान्तरण होने पर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ने 20-8-80 के पूर्वाह्न से एस० पी० एम० होणगाबाद की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—श्रीनगर से स्थानान्तरण होने पर श्री आर० सी० कालिया ने 18 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से एच० ई० सी० राची की के० औ० सु० ब० यूनिट के सहायक कमाडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—भटिणा से स्थानान्तरण होने पर श्री आर० के० जौली ने श्री आर० सी०

कालिया के स्थान पर तारीख 4 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न में एच० एम० टी० श्रीनगर की के० श्री० मु० ब० यूनिट के महायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री आर० सी० कालिया ने राजी को स्थानान्तरण होने पर उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—दिल्ली को स्थानान्तरण होने पर श्री जे० एम० सेठी ने 5 जुलाई, 1980 के अपग्रेड में बी० आई० ओ० पी० (डिप-14) किरन्दुल की के० श्री० मु० ब० यूनिट के सहायक कमांडेट से पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—हरिद्वार में रथानांतरण होने पर श्री जी० एस० सन्धू ने 15 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से बी० पी० सी० एल० इलाहाबाद की के० श्री० मु० ब० यूनिट के महायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

मं० ई०-16013(2)/1/80—कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण होने पर, भारतीय पुलिस सेवा (उडीमा-66) के श्री ए० राम० ने 28 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से आर० एम० पी० राउरकेला की के० श्री० मु० ब० यूनिट के कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—जादुगोड़ा को स्थानान्तरण होने पर श्री एस० एन० सिह ने 28 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से डी० एस० पी० दुर्गपुर की के० श्री० मु० ब० यूनिट के महायक कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—राखा को स्थानान्तरण होने पर श्री आर० के० मुखर्जी ने 1 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से एच० एफ० सी० दुर्गपुर की के० श्री० मु० ब० यूनिट के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80—कार्मिक—दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर श्री चेतराम मिह ने 27 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से डी० एम० पी० दुर्गपुर की के० श्री० मु० ब० यूनिट के महायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ह० अपठनीय
महानिरीक्षक
के० ओ० स० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 सितम्बर 1980

मं० 11/37/80—प्रशा०-१—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के अन्वेषक और इस

समय पिछड़ा वर्ग आयोग में प्रतिनियुक्ति पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री जे० ए० रस्तोगी को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में पदोन्नति पर तारीख 30 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 श्री रस्तोगी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ पदोन्नति श्री रस्तोगी को उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक नहीं प्रदान करेगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवाए० ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त तदर्थ आधार पर पदोन्नति को नियुक्ति-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

दिनांक 23 सितम्बर 1980

सं० 11/37/80—प्रशा०-१—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री एस० एस० कश्यप को नई दिल्ली, में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में पदोन्नति पर तारीख 19 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री कश्यप का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ पदोन्नति श्री कश्यप को उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक नहीं प्रदान करेगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवाए० ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त तदर्थ आधार पर पदोन्नति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

सं० 11/44/8—प्रशा०-१—राष्ट्रपति, केरल सिविल सेवा के अधिकारी श्री के० के० मुहम्मद को केरल, विवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 जुलाई, 1980 से 30 जून, 1981 तक एक वर्ष की अवधि के लिये पूः नियोजन पर, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री मुहम्मद का मुख्यालय कालीकट में होगा।

3. उनकी सेवाए० नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर तारीख 30 जून, 1980 में पहले किसी भी समय बिना कोई कारण बताए समाप्ति की जा सकती है।

दिनांक 24 सितम्बर 1980

सं० 6/1/74—प्रार० जी० (प्रशा०-I)—राष्ट्रपति, इस कार्यालय के तारीख 6 मार्च, 1980 की समसंख्यक अधिकारी सूचना के अनुक्रम में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में कन्सोल आपरेटर सर्वश्री आर० एन० तलवार और आर० एल० पुरी की इसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अवधि को 31 दिसम्बर, 1980 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, वर्तमान शर्तों पर सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. सर्वश्री तलवार और पुरी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/11/80—प्रशा०-I—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी श्री ए० के० दास को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 6 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री दास का मुख्यालय सिलीगुड़ी में होगा।

सं० 11/29/80—प्रशा०-I—राष्ट्रपति, उड़ीसा प्रशासनिक सेवा (कनिष्ठ शाखा) के अधिकारी श्रो प्रभात कुमार मोहपात्र को उड़ीसा, कटक में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 8 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री मोहपात्र का मुख्यालय कटक में होगा।

दिनांक 25 सितम्बर 1980

सं० 11/15/80—प्रशा०-I—राष्ट्रपति, कर्णाटक सिविल सेवा (वर्ग 1 कनिष्ठ वेतन मान) के अधिकारी श्री ए० एन० आनन्दराम को कर्णाटक, बंगलौर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 18 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री आनन्दराम का मुख्यालय बंगलौर में होगा।

दिनांक 27 सिसम्बर, 1980

सं० 11/37/80—प्रशा०-I—राष्ट्रपति, राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री शमशेर सिंह को उसी कार्यालय में तारीख 22 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न में, एक वर्ष की अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि

पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिंह का मुख्यालय जयपुर में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री सिंह को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएं उम ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर विसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

पी० पश्चानाभ

भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश

आंध्र प्रदेश, दिनांक 23 सितम्बर 1980

सं० प्रशा० I/8-132/80-81/223—महालेखाकार आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थाई सदस्य श्री पि० वि० एस० जनार्दन राव को महालेखाकार आध प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-100-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 16-9-80 के पूर्वाह्न/अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/223—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री के० वि० चलपति राव को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 17-9-1980 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० प्रशा०-I/8-132/80-81/223—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री बि० रघुनाथ रेड्डि को महालेखाकार आंध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-

1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 16-9-80 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

रा० हरिहरन
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश

खालियर, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० स्था०-1/261—महालेखाकार प्रथम, मध्यप्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को, स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर, उनके आगे दर्शाएँ कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक सं पदोन्नति किया है:—

सर्वश्री

- बी० ब्ही० खोचे 02/0261 27-8-80 पूर्वाह्न
- जे० पी० गोयल 02/0262 25-8-80 पूर्वाह्न
- श्री बी० एल० सक्सेना 02/0265 25-8-80 पूर्वाह्न

प्रबुधरण साहू
वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 26 सितम्बर 1980

सं० प्रशा० II/जी०-ग्राधिमूच्चना/958—महालेखाकार राजस्थान ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों की पदोन्नत करके उनके आगे दिये गये दिनांक से अप्रेतर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है।

सर्वश्री

- बाबुलाल सेठी 1-9-80 (पूर्वाह्न)
- हनुमान प्रसाद अग्रवाल 1-9-80 (पूर्वाह्न)
- विष्णु दत्त राजपूत 10-9-80 (पूर्वाह्न)
(ह०) अपठनीय

वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

निदेशक लेखापरीक्षा का कार्यालय

प० सी० रेलवे

गुहाटी-781011, दिनांक 20 अगस्त 1980

सं० 28—श्री आर० पी० एल० आस्थाना जो एम० आर० ए० एम० के स्थाई सदस्य है को अगले आदेश तक

वेतनमात्र 840-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० में लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर उनके न्यू बंगाईगांव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से पदोन्नति दिया जाता है।

एस० चन्द्रशेखर
निदेशक लेखापरीक्षा

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवायें

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 सितम्बर 1980

सं० 2712/ए/प्रशासन/130/79-80—निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएँ, अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थाई श्री विजय पाल मिह को लेखा परीक्षा अधिकारी, लेखा परीक्षा अधिकारी रक्षा सेवायें, जलन्धर के कार्यालय में दिनांक 15-9-80 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी, के रूप में, अगले आदेश पर्यन्त तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

के० बी० दाम भौमिक,
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएँ

उद्योग मन्त्रालय

(ग्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1980

सं० ए० 19018/480/80—प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, श्री बी० एस० शिंदे को दिनांक 29 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (वैद्युत) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/503/80—प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद के श्री डी० डी० मिश्र, लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (ग्राहिक अन्वेषण एवं साइरिकी) को दिनांक 1 सितम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, उसी संस्थान में तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (ग्राहिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 सितम्बर 1980

सं० 12/467/61—प्रशा० (राज०)—विशेष कार्य अधिकारी के रूप में मिक्रोसरकार, गंगटोक के उद्योग निदेशालय में प्रतिनियुक्ति से बापसी होने पर श्री एच० एन० दे

ने दिनांक 8 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 12/452/64-प्रशा० (राज०) —राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, डलाहाबाद के श्री बी० एस० लाल सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (धातुकर्म) को दिनांक 26 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, औद्योगिक विस्तार केन्द्र, बटाला में तदर्थं आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-19018/502/80-प्रशा० (राज०) —राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के श्री जी० आर० मुश्त्रमनियम, लघु उद्योग संबद्धन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण एवं सांख्यिकी) को दिनांक 28 अगस्त, 1980 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, इसी कार्यालय में सर्वर्थं आधार पर सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त,
उप-निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 20 मितम्बर 1980

सं० प्र०-17011/182/80-प्र० 6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री ईश कुमार को दिनांक 26-8-80 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक जमशेदपुर निरीक्षणालय के अधीन उप-निदेशक निरीक्षण (धातु) भिनाई के कार्यालय में सहायक निरीक्षक अधिकारी (धातु) के रूप में स्थानापन्न रूप से तदर्थं आधार पर नियुक्त कर दिया है।

सं० प्र० 6/247(624) 70—निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) श्री वी एन० घोपाल ने दिनांक 30-8-1980 के अपरादन में सिवल सेवा (पेंशन) नियम, 1962 के नियम 48-ए की शर्तों के सधीन सरकारी सेवा अधिक सेवा निवृति ने नी है।

(पौ० डी० सेठ)
उप निदेशक (प्रशासन)
कूते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 24 मितम्बर 1980

सं० प्र०-1/1(1106) —महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री मुधीर रंजन दास को दिनांक 26 अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर तदर्थं आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री मुधीर रंजन दास की सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) के पद पर पदोन्नति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थं आधार पर है और इससे उनसे अन्यथा वरिष्ठ अधिकारियों के हक पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और उन्हें वर्तमान स्थानापन्न व्यवस्था के आधार पर आगामी पदोन्नति का दावा करने का हक नहीं होगा।

सं० प्र० 1/1(1152) 80—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मद्रास के कार्यालय में अधीक्षक श्री आर० सी० जैन को दिनांक 18-8-80 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से अधीक्षक के पद पर अवनत श्री एच० एन० समादूर सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के स्थान पर सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र० 1/1(1158) —पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री एच० एन० समोदर दिनांक 18-8-1980 के पूर्वाह्न से अधीक्षक के अराजपदित पद पर अवनत हो गए।

सं० प्र०-1/1(1164) —राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय कलकत्ता के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री पारितोष घोष को दिनांक 12-8-80 के पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में तदर्थं प्रतिनियुक्ति के आधार पर सहायक निदेशक (मुकुमा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर
उप निदेशक (प्रशासन)
कूते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता 700016, दिनांक 22 मितम्बर 1980

सं० 7190 बी०/ए०-19012(3-एस० एन० एस०)/80-19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री एस० एन० सिन्हा को सहायक रसायनिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानु-

मारू 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-
1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 5-7-80 के अपराह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 मितम्बर 1980

सं० 2/38/60-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी एन्टद्वारा श्री एन० बोस०, प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, रांची को, 8-9-80 (पूर्वाह्न) से भीनियर प्रशासनिक अधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 29/11/80-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एन्टद्वारा श्री बी० एन० प्रसाद, फार्म रेडियो रिपोर्टर, आकाशवाणी, पटना को 30-6-80 (पूर्वाह्न) से फार्म रेडियो अधिकारी, आकाशवाणी, दरभंगा के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एच० सी० जयाल
प्रशासनिक उप-निदेशक
हृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 22 मितम्बर, 1980

सं० 10/6/80-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री च० नरसिंह मूर्ति, वरिष्ठ इंजीनियर सहायक, आकाशवाणी को आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं और उन्हें 5 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों होने तक आकाशवाणी, विशाखापट्टनम मे तैनात करते हैं।

दिनांक 25 सितम्बर 1980

सं० 29/1/80-एस० दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एन्टद्वारा श्री एन० पी० शाह, कृष्ण रेडियो रिपोर्टर, आकाशवाणी, भागलपुर को 19-6-80 (पूर्वाह्न) से कृष्ण रेडियो अधिकारी, आकाशवाणी, नजीबाबाद, के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 सितम्बर 1980

सं० 10/26/77-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री आर० के खुराना का सहायक अभियन्ता, उच्च शक्ति प्रेपित के पद मे त्यागपत्र दिनांक 27 अगस्त 1980 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

एच० एन० विश्वास
प्रशासन उपनिदेशक,
हृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 22 मितम्बर, 1980

सं० ए० 12025/3/80-प्र०-I—गण्डपति, श्री आर० बी० मिह, सहायक व्यापार व्यवस्थातक, पूरक भण्डार, फरीबाबाद को अगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप से विक्रय भण्डार, मद्रास मे व्यापार व्यवस्थापक नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 12025/6/80-प्र०-I—निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री एन० आर० बत्रा की पदोन्नति हो जाने पर श्री डी० के० पुरी, स्थानापन्न व्यापार कार्यकारी को 1-8-1980 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप मे सहायक व्यापार व्यवस्थापक नियुक्त करते हैं।

2 इस तदर्थे नियुक्ति मे श्री पुरी सहायक व्यापार व्यवस्थापक के ग्रेड मे नियमित नियुक्ति के हकदार नहीं होगे। यह सेवा इस ग्रेड मे वरीयता के लिए भी नहीं गिनी जायेगी

दिनांक 27 सितम्बर 1980

सं०ए०-120012/1/70-प्र० 1—निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री ए० के० दास, व्यापार कार्यकारी को 1 जून, 1980 से विक्रय भण्डार, कलकत्ता मे 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपा के वेतन-मान मे स्थानापन्न रूप मे तदर्थ आधार पर सहायक व्यापार व्यवस्थापक, आकाशवाणी, बेतार जगत कलकत्ता नियुक्त करते हैं।

2. श्री ए० के० दास की वर्तमान नियुक्ति उनको सहायक व्यापार व्यवस्थापक के ग्रेड मे नियमित नियुक्ति के दावे का हक प्रदान नहीं करती। यह सेवा उसे ग्रेड की वरीयता के लिए भी नहीं गिनी जाएगी।

तारामन्द अग्रवाल,
उप निदेशक (प्रशासन)

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 19 सितम्बर 1980

सं० ए०-12026/1/80-सीबन्दी-1—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने श्री बी० बी० कृष्णन, स्थायी सहायक अनुरक्षण अभियंता को स्थानापन्न अनुरक्षण अभियंता के पद पर फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली मे तदर्थ पर दिनांक 16-6-80 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक नियुक्त किया है।

एन०एन० शर्मा,
सहायक प्रशासनीय अधिकारी
हृते मुख्य निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय
नई दिल्ली-1 दिनांक 23 सितम्बर 1980

स० ए०-12026/5/80-स्था०—वि० दृ० प्र० निदेशक श्री
आर० के० टण्डन को निदेशालय में 19 सितम्बर, 1980
के पूर्वाह्न से श्री के० एल० कोया, सीनियर आर्टिस्ट जिनको
पढ़ाई के लिए छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर सीनि-
यर आर्टिस्ट के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।
जनकराज लिखी,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1980

स० ए० 12025/1/80-डी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक
ने श्री कोया विजयराज को 11 अगस्त, 1980 के अपराह्न
से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय औषध मानक नियन्त्रण
संगठन, नार्थ जोन, गार्जियाबाद में उप औषध नियन्त्रक (भारत)
के कार्यालय में औषध निरीक्षण के पद पर पर्णत अस्थायी
आधार पर नियुक्त किया है।

एस० एस० गोठोस्कर,
औषध नियन्त्रक (भारत)
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

कृषि मन्त्रालय
(कृषि और सहकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर, 1980

स० मि० 5-50/80-स्था०(1)—प्रदर्शनी अधिकारी, जी०
सी० एम० (ग्रुप“ए”) राजपत्रित के पद से अपनी नियुक्ति की
ममाल्ति के परिणाम स्वरूप श्री एम० के० एस० धारीबाल ने
विस्तार निदेशालय में 1 मार्च 1980 के पूर्वाह्न से सहायक
प्रदर्शनी अधिकारी (ग्रेड प्रथम) का पद भार प्रहण कर
लिया है।

के० के० शर्मा,
उप निदेशक (प्रशासन)

ग्रामीण पुर्निर्माण मन्त्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 20 सितम्बर 1980

स० ए०-19023/28/78-प्र०-III—इस निदेशालय के
अधीन तूलीकोरिन में उप वरिष्ठ विषयन अधिकारी (वर्ग-1)
2-286GI/80

के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री के० वी०
प्रसाद राव ने तारीख 8-8-80 के अपराह्न में नागपुर में
विषयन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 24 सितम्बर 1980

स० ए०-39013/1/79-प्र०-II—श्री एस० एन० रे
द्वारा दिए गए त्यागपत्र की स्वीकृति के बाद इस निदेशालय
में मद्रास में तारीख 8-9-80 (पूर्वाह्न) में उन्होंने सहायक
विषयन अधिकारी (वर्ग-II) के पद का कार्यभार छोड़
दिया है।

दिनांक 27 सितम्बर 1980

स० ए०-19023/1/79-प्र०-III—सध लोक सेवा आयोग
की सम्मुतियों के अनुसार श्री एस० डी० फड़के, जो तदर्थ
आधार पर विषयन अधिकारी (वर्ग-1) के स्वरूप में काम
कर रहे हैं, का इस निदेशालय के अधीन गुरुवर से तारीख
26-7-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक नियमित
स्वरूप में विषयन अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किया जाता है।

बी० एल० मनहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विषयन सलाहकार
भारत सरकार

भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 5 सितम्बर 1980

स० 5/1/80-स्थापना-III/4318—नियन्त्रक, भारत पर-
माणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तदर्थ
स्वरूप से उनके नाम के सामने अकिन समयावधि के लिए स्थाना-
पन्न सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं :

क्रमांक नाम तथा पदनाम

1 श्री पी० सेतुमा धबन,	25-7-80
सहायक सुरक्षा अधिकारी	(अपराह्न)
2 श्री जे० के० राव,	5-7-80
सहायक सुरक्षा अधिकारी	(अपराह्न)

स्थानापन्न	समयावधि
स्वरूप में नियुक्ति	में तक

सुरक्षा अधिकारी	27-5-80
	(पूर्वाह्न)
सुरक्षा अधिकारी	30-5-80
	(पूर्वाह्न)

दिनांक 19 सितम्बर 1980

दिनांक 22 सितम्बर 1980

सं ० पी० १२०६/आर० सी० एन० डी०/स्था० III—अपर-
निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री कर्जीभाई
विभूवन दाम पटेल स्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी०) तथा
स्थानापन्न एम० शो०/इंजीनियर ग्रेड (एम० बी०) द्वाग इस
ग्रनुसंधान केंद्र में प्रदत्त सेवाओं में दिये गए त्यागपत्र को
१३-३-१९८० अपग्रह से स्वीकार करते हैं।

कु० एच० बी० विजयकर
उप स्थापना अधिकारी

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 19 सितम्बर 1980

सं ० १/२९/८०-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक
एतद्वारा स्विचन समूह, बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री
ग्रनिरुद्ध राय को एकदम तदर्थ आधार पर अल्पकालीन खाली
जगहों पर १६-४-८० से २१-५-८० तक की अवधि के लिए
उसी कार्यालय में और १६-६-८० से १४-८-८० तक की
अवधि के लिए मुख्य कार्यालय, बम्बई में सहायक अभियंता
नियुक्त करते हैं।

सं ० १/३२/८०-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक
एतद्वारा स्विचन समूह, बम्बई के स्थानापन्न तकनीकी सहायक,
श्री एम० नम्बूद्री को एकदम तदर्थ आधार पर अल्पकालिक
खाली जगह पर १-५-१९८० से ५-६-८० तक की अवधि के
लिए उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता
नियुक्त करते हैं।

सं ० १/३७/८०-स्था०—वि० प्र० अनुभाग, पुणे के सहायक
अभियंता श्री जी० वैकटेश्वर रेडी ने २२ जुलाई, १९८०
के अपग्रह से सेवा में त्यागपत्र दे दिया।

सं ० १/७३/८०-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक
एतद्वारा बम्बई शाखा के तकनीकी सहायक, श्री एस०
एस० मलिक को एकदम तदर्थ आधार पर अल्पकालिक खाली
जगह पर २८-४-८० से १३-६-८० तक की अवधि के लिए
उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त
करते हैं।

सं ० १/३७८/८०-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-
निदेशक एतद्वारा आर्वी शाखा के तकनीकी सहायक,
श्री कौ० आर० बालचन्द्र व० नियमित आधार पर १४
अप्रैल, १९८० के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा
में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं ० १/२५७/८०-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक
एतद्वारा बम्बई शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री जी०
सी० डीलिमा को एकदम तदर्थ आधार पर अल्पकालीन खाली
जगह पर १-३-८० से २५-४-८० तक की अवधि के लिए
उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक
नियुक्त करते हैं।

एच० एम० मर्होवा
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक।

बम्बई, दिनांक 19 सितम्बर 1980

सं ० १/३७७/८०-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक
एतद्वारा श्रीमद उपग्रह भृ केन्द्र, लाईवाला, देहरादून,
के तकनीकी सहायक, श्री कृ० कु० नप्रा को नियमित आधार
पर १८ जून, १९८० के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक उसी
शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं ० १/४२७/८०-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक
एतद्वारा श्री कोटिना नीलया को नियमित आधार पर
१ली जुलाई, १९८० के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक
स्विचन समूह, बम्बई में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता
नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 सितम्बर 1980

सं ० १/३५५/८०-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक
एतद्वारा श्री पी० गोविन्दराजन को नियमित आधार पर
२८ जुलाई, १९८० के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक
स्विचन समूह, बम्बई में स्थानापन्न रूप से सहायक
अभियंता नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नाथर
निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहनालिय,

इन्दौर, दिनांक 23 सितम्बर 1980

सं ० १८/८०—प्रधीनक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समूह,
'ख' के पद पर पदान्वाति पर निम्नलिखित निरीक्षकों केन्द्रीय
उत्पाद शुल्क (च० श्र०) ने उनके नाम के सामने दर्शाई

तिथियों में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समूह 'ख' के पद पर कार्यभार प्रहण किया:

क्र०	अधिकारी का नाम	तैनाती स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
1.	श्री एम० पी० शुक्ला	अधीक्षक (लंखा परीक्षा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुम्बई, इंडॉर	14-8-80

1	2	3	4
2	श्री एम० एम० गोस्वामी	अधीक्षक (तक- नीकी) प्रभागीय कार्यालय, उज्जैन	29-8-80 (पूर्वांक)
3	श्री जी० एक० मैसी	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अमलाई	12-8-80 (पूर्वांक)
4	श्री के० श्री० लाल	अधीक्षक (तक- नीकी) प्रभागीय कार्यालय, भोपाल	21-8-80 (पूर्वांक)

एम० के० धर
समाहृता

बम्बई, दिनांक 6 सितम्बर 1980

स० एम० टी० 21/1980-81—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली 1944 के नियम 232-ए के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों के प्रयोग में तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 के अधीन न्यायालय द्वारा दोपी पाये गए व्यक्तियों और अधिनियम की धारा 33 में सर्वाधिक अधिकारी द्वारा 10,000/- रुपए या इस अधिक की राशि के लिए दिल्लिवित व्यक्तियों के नाम और पते उप नियम 2 में उल्लिखित अन्य विवरणों महित निम्न प्रकार से प्रकाशित किए जाते हैं—

I—क्रोट के मामले

क्रम	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंघन किया गया	दण्ड राशि
स०				
1	2	3	4	5
			—शून्य—	

II—विभागीय न्यायनिर्णयन

क्रम	उस व्यक्ति का नाम जिस पर स० अधिनियम की धारा 33 के अन्तर्गत अधिकारी द्वारा 10,000/- रुपए का या इससे अधिक का अर्थ दण्ड दिया गया है	पता	अधिनियम के प्रावधान अथवा उसके अन्तर्गत बने नियमों का उल्लंघन किया गया	दण्ड राशि	धारा 33 के अन्तर्गत न्यायनिर्णय 34 के अन्तर्गत जब्ती शुल्केय माल का के स्थान पर अर्थ दण्ड मूल्य जो जब्त की राशि किया जाना है	
1	2	3	4	5	6	7
				रु०	रु०	रु०

1.	मर्वशी पैकाएँड पेपर इंडस्ट्रीज	मेटालॉग कपाउड सुभाष रोड, जोगेश्वरी बम्बई- 400060	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 173 एक, 9(1) के साथ पठित नियम 173-जी (1), नियम 52-ए के साथ नियम 53 व 226 साथ पठित नियम 173 जी (4)	30,000/-	10,000/-	2,000/-
----	--------------------------------	---	---	----------	----------	---------

कु० श्री दिल्लिपांसहजी
समाहृता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बम्बई-1

निरीक्षण लेखा परीक्षा एवं निदेशालय

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1980

सं० 29/80—श्री के० सी० महगल ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समहतालिय, इन्दौर में, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रुप 'क' के पद पर कार्यगत थे, राजस्व विभाग के दिनांक

21-8-1980 के आदेश सं० 110/80 (फा० सं० प-22012/23/80-प्रश्ना०-II) द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, स्थित मुख्यालय में, स्थानान्तरित होने पर दिनांक 17 मितम्बर, 1980 (अप्राह्ल), में निरीक्षण अधिकारी (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'क' के पद का कायभार ग्रहण किया।

के० जे० गमन,
निरीक्षण निदेशक

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1980

सं० 23/2/77-ईसी 2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी प्रत्येक के आगे लिखी तारीखों में वार्धक्य की आयु (58 वर्ष) प्राप्त करने पर सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं:—

क्रम सं०	नाम श्रीर पद	सेवा निवृति की तारीख	वर्तमान पदनाम
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	सी० पी० जैन अधीक्षक इंजीनियर (सिविल)	30-6-80 दोपहरबाद	अधीक्षक इंजीनियर (सतर्कता) के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली
2.	सदाराम कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	30-6-80 दोपहरबाद	कार्यपालक इंजीनियर, नो० नि० वि० मण्डल सं० 16, दिल्ली प्रशासन, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
3.	के० टी० बालामुआमनीयन कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	30-6-80 दोपहरबाद	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन) आयकर विभाग, वेस्ट हिल, कालीकट-673005,
4.	डी० ग्रार० आदिनारायण कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	30-6-80 दोपहरबाद	कार्यपालक इंजीनियर बंगलौर केन्द्रीय मण्डल-2, के० लो० नि० वि० बंगलौर
5.	एम० एम० एरन कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	31-7-80 दोपहरबाद	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन) आयकर विभाग, बी-176, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर
6.	पी० डी० सूजा मुख्य इंजीनियर (सिविल)	31-8-80 दोपहरबाद	मुख्य इंजीनियर (दक्षिण पश्चिम अंचल), के० लो० नि० वि० आम्बई
7.	पी० ए० सोलोमन कार्यपालक इंजीनियर सिविल	31-8-80 दोपहरबाद	मूल्यन अधिकारी, मूल्यन कक्ष, आयकर विभाग, कुंडापा (आन्ध्र प्रदेश)

1	2	3	4
संबश्री			
8.	के० सौ० अग्रवाल अधीक्षक इंजीनियर (मिविल)	31-8-80 दोपहरबाद	अधीक्षक इंजीनियर, दिल्ली केन्द्रीय परिमण्डल सं० 6, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली
9.	जे० जे० तोलानी कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	31-8-80 दोपहरबाद	कार्यपालक इंजीनियर, मन्त्रूल स्टोर मण्डल सं० 2, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली
10.	एम० चक्रवर्ती कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत)	31-8-80 दोपहरबाद	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), विद्युत मण्डल सं० 3, के० लो० नि० वि०, कलकत्ता ।

2. श्री एम० पी० अग्रेरा, कार्यपालक इंजीनियर (ना० फी०), के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली का 19-7-1980 को देहान्त हो गया।
3. श्री भास्कर राव, कार्यपालक इंजीनियर (मतर्कता) के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली स्वेच्छा मे० 31-7-1980 (दोपहरबाद) सेवा निवृत्त हो गए।
4. श्री एन० एन० गौतम, निर्माण मर्केशक, दिल्ली केन्द्रीय परिमण्डल सं० 3, के० नो० नि० वि०, नई दिल्ली स्वेच्छा मे० 18-8-1980 (दोपहरबाद) सेवा निवृत्त हो गए।

जगदीश प्रशाद,
प्रशासन उपनिदेशक

चित्तरजन रेल इंजन कारखाना

चित्तरजन दिनांक 24 सितम्बर 1980

एम० के० भट्टाचार्जी को जिनका इस प्रशासन के तृतीय श्रेणी के पद पर उनका लियन है, चित्तरजन के सिविल इंजीनियरी के संबंध में सहायक इंजीनियर के पद पर द्वितीय श्रेणी की सेवा में दिनांक 6-12-78 (पूर्वान्धि) से स्थायी किया जाता है।

म० जी० एम० ए०/जी० एस०/8 (मिविल)—चित्तरजन
रेल इंजन कारखाना के स्थापनापन्न सहायक इंजीनियर श्री

के० रामन,
महाप्रबंधक

प्रस्तुप श्राई० टी० एस० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचनाभारत मंत्रालय,
संघीयता, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III-कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 10 जुलाई 1980

निदेश सं० 717/एक० आर- /80-81/कलकत्ता—यतः
मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैग्रीष्म जिसकी सं० 154 है तथा जो ग्रे स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-1-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित का गढ़ है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथार्थता का उत्तिन बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल निवित में बास्तविक रूप से
कहिया नहीं किया गया है—(क) अन्तरगत गढ़ की आवश्यकता, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के भत्तारक के दायित्व में कभी करने
मात्र सस्ते बचने में सुविधा के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आवश्यकता के लिए जो अन्तर्गत गढ़ की
आवश्यकता ग्राम्यकर ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बननकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।बृ० : उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुकरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
नम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री सरोजकुमार बनार्जी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिमारानी पाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भा ग्राम्यकर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरमुमन्धी व्यक्तियों पर मुचना की
तामोक्ष से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भी न वूर्नेन व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिडित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम व प्रश्नाय 20-ए में परिभाषित
है, वही यथा हांगा जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

समुच्चा पांच तला मकान साथ करीब 3 कट्ठा 14 छटाक
14स्को० फु० जमीन जो 154 ग्रे स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित
है।श्राई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज- , कलकत्ता-16

तारीख : 10-7-1980

मोहर :

प्रस्तुति प्र. १० टॉ० एन० १५०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 अगस्त 1980

निर्देश सं० एस०/रेज-51-IV/कल/19—यतः मुझे, के० सिंहा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्ति त्रिपक्ति उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट सं० 2809, 2094 है तथा जो बराकर, कुटलि, वर्धमान में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आसानसोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे वह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष्ठ तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आंयत्र से कमी करने या उसमें बबत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हे आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिग्नी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन् अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विनोद विहारी लायक

(अन्तरक)

(2) श्री मुण्डल कुमार अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह मूवा जारो करके पूर्वान्त मम्पनि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त मम्पनि के अर्जन के नम्बन्दी में कोई भी आशेष:—

(क) इस मूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूवना का तामोन में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवृत्त बाद में वापान होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियमों में ने छिर्म अविन द्वारा;

(ख) इस मूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी पन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित किए जा नकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय पे दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 2809, 2094, बराकर कुलटि, वर्धमान में 04 डेसिमेल जमीन का सब कुछ जैसे 1980 का दलील सं० 380 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० मिहा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता ।

तारीख: 19-8-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई ० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 अगस्त, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 52/रेज-IV/कल/19—यतः मुझे, को० सिहा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी दाम स० 115 है तथा जो देशबन्धु रोड भाट्टा, 24 परगना मे० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे० और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता मे०, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथादूर्वाकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय को बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमो करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए; प्रौग्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, लियाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे० उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवृत्ति:—

(1) श्री सुबोध चन्द्र सेनगुप्ता

(अन्तरक)

(2) श्री प्रनब कुमार राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन ने लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाध में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोद्धस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

देशबन्धु रोड, भाट्टा, 24 परगना मे० 5 कट्टा जमीन का साथ भकान का सब कुछ जैसे 1980 दलिल सं० 300 मे० और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० सिहा

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख 19-8-1980

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० 732/क्यु रेंज-III 80-81/फल—यतः मुझे,
आई० वी० एस० जुनेजा,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पी-22 है तथा जो राजा बसन्त राय रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक कष्ट से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1357 का 27) के प्रयोजनावृत्त प्रसुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्री भिजय कुमार केजरिउपाला

(अन्तरक)

(2) श्री बसन्त राय समवाया आयुक्त सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

जमीन का ठिकाना :—

पी-22, राजा बसन्त राय रोड,

कलकत्ता।

दलिल सं०—249

आई० वी० एस० जुनेजा

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16।

तारीख : 29-8-1980

मोहर:

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रमुखण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः:—

प्रकृष्ट आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1. श्री शशिन्द्र नाथ साहू
147, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-6 (अन्तरक)
2. श्री समर राय श्रीमति कल्पना राय
12/1 ए, नयन चन्द दत्त स्ट्रीट, कल-०-६ (अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 अगस्त 1980

निर्देश सं० 733/ए० सी० [क्य० आर०-III/3/80-81/
कलकत्ता—यतः, मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 27/1-जे, है तथा जो नयन चन्द दत्त स्ट्रीट,
कलकत्ता-6 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
व रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

के अधीन, तारीख 18-1-1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इसी की आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अधिने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्व आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

जमीन का ठिकाना :—

27/1 जे, नयन चन्द दत्त स्ट्रीट, कलकत्ता।

आई० बी० एम० जुनेजा
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III,
54, रफीग्रहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 29-8-1980

मोहर :

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रलेप शाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 4 सितम्बर 1980

सं० 735/एक्य० आर०-III/80-81/कलकत्ता—यतः, मुझे,
शाई० वी० एस० जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० 68-ए है, तथा जो ग्राहाम रोड, कलकत्ता
में स्थित है और इससे उपाग्रह अनुसुची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर 24
पश्चना ; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 18-1-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रीष्ठ
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अबनि मोहन गोस्वामी

(अन्तरक)

2. श्रोतु सत्याजीत बागचो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसुची

जमीन का ठिकाना :—

प्लाट नं० 3, 68-ए, ग्राहाम रोड, कलकत्ता ।

शाई० वी० एस० जुनेजा
सभन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III
54, रफ़ाइल मद किंदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 4-9-1980

मांहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती लक्ष्मीनारायण केडिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. अरुण कुमार जजारिया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 554/टी० आर०-190/सी०-147/कलकत्ता-1/
79-80—यतः, मुझे, आई० टी० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी में 61 है, तथा जो मुक्ता राम मोबू स्ट्रीट कलकत्ता
में स्थित है (और हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 19-1-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

61 मुक्ता राम बाबू स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित 5 कट्टा
10 छटांक 37 स्केयर फिट जमीन माथ मकान का एक सामान्यरूप
तथा एक पिछला अंग का अविभाजित 1/4 अंश जैसे कि रजिस्ट्रार
आफ अशोअरन्स कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रेशन दलिल सं० आई०
374 दिनांक 19-1-1980 में और पूर्ण रूप में वर्णित है।

आई० स०० ए० जुनेजा
मन्त्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III
54, रफ़ाइल मिनी रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. ——

1. श्री राधाकिशन केडिया

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री विमल कुमार जहरिया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, रफी अहमद किंदवाई रोड कलकत्ता

निर्देश सं० 545/ट० आर०-191/सि-148/कलकत्ता-1/

79-80—यतः, मुझे, आई० वा० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।और जिसकी सं० 61 है, तथा जो मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (प्री इमेंस उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 21908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 19-1-1980को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पता गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकर्ता के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

61, मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट स्थित 5 कट्टा 10 छटांक
37 स्केयर फ्लॉट जमान माथ मकान का एक मामना अंग तथा
एक पिछला अंग का अविभाजित 1/4 अंग, जैसा कि रजिस्ट्रार
ग्राफ एसियोरेन्स द्वारा रजिस्ट्रीड़िशन दलिल सं० आई० 376
दिनांक 19-1-1980 आंदर पूर्ण रूप से वर्णित है।

आई० वा० एस० जुनेजा,

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

54, रफीअहमद किंदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री शिव कुमार केडिया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री रविन्द्र कुमार जहरिया ।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता।

कलकत्ता, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 546/टो० आर०-192/सि०-149/कल०-1/
79-80—यतः, मुझे, आई० ब०० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 61 है, तथा जो मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट,
कलकत्ता में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 19-1-1980को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हृदृश्य किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिसंस्थाकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रापित
हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

61, मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित 5 कट्टा 10
छटाक 37 स्क० फीट जमीन साथ मण्डन का एक सामने के
अंश तथा एक पीछे रास्ते का अंश का अविभाजित 1/4 हिस्सा जैसे
कि रजिस्ट्रार आफ एस्यूरेन्स द्वारा दलिल सं० आई० 377 दिनांक
19-1-1980 में रजिस्ट्रीकृत और पूर्ण रूप से वर्णित है।आई० बी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्तायतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 4-9-1980

मोहर :

प्रस्तुति अर्थात् टी. एन. एस. —————

(1) श्री वर्षजुनाथ केडिया

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री काशीप्रसाद नहारिया

(अन्तरित)

भारत सरकार

का यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता 19

कलकत्ता 19 दिनांक 4 सितम्बर 1980

निवेश सं. 547/टी०आर०-193/सी०-150/कल०-1/-

79-80—यतः मुझे प्राई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।और जिसकी सं. 61 है तथा जो मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अन्तर्गत में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
19-1-80को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि मह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बन्धुची

61 मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट कलकत्ता स्थित 5 कट्ठा 10
छटांक 37 स्कोयर फिट जमीन साथ मकान का एक सामाना अंश
तथा एक पिछला अंश का अविभाजित 1/4 अंश जैसे कि रजिस्ट्रार
आफ असियोरेस द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं. प्राई० 375
दिनांक 19-1-80 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।प्राई० बी० एस० जुनेजा
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-10तारीख: 4-9-80
मोहर:अस: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रूष आई० टी० एन० एस०

(1) श्री समीर कुमार दत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री वैजनाथ सारोगो स्मोतिनिधि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-19

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 548/टी० आर-202/79-80/कल०—यतः मुझे
आई० वी० एस० जुनेजाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 12/2ए है तथा जो इ० एम० ई० साक रोड
(पुर्वतन स्ट्रीट किड स्ट्रीट) स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-1-80

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

12/2ए, डा: एम० इसाक रोड (पुर्वतन कोड: स्ट्रीट)
कलकत्ता में अवस्थित 8 कट्ठा 10 छटांक 24 वर्ग फिट, जमीन
पर मकान का 1/3 हिस्सा जो डीड नं० 470 अनुसार रजिस्टर
हुआ।आई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16।तारीख: 10-9-80
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मिहिर कुमार दत्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वैजनाथ मारोगी स्मृतिनिधि

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 10 सितम्बर, 1980

निर्देश मं० 549/टी० आर०-203/79-80/कल०—यतः,
मुझे, आई० वी० एस० जुनेजाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी मं० 12/2ए है तथा जो इ० एम० ईसाक रोड
(पुर्वतन किड स्ट्रीट) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 25-1-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 नं 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

4—286G1/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्याची

12/2ए, इ० एम० ईसाक रोड (पुर्वतन किड स्ट्रीट)
कल० में अवस्थित, 8 कट्ठा 10 छटाक, 24 वर्ग फिट जमीन पर
25-1-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एश्योरेंस का दफ्तर मं
469 डीडनं० अनुसार रजिस्ट्री हुआ।आई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 10-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री मुधीर चन्द्र मिट्टार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मि चन्द्र भाई चन्द्र गागलानि

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 18 अक्टूबर 1980

निर्देश सं. 737/एविक्ष/आर-III/80-81/कल०—यतः, मुझे,
आई० वी० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन यथाम प्राधिकारी जो, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 82 है तथा जो शरत बोम रोड, कलकत्ता में स्थित है
(और इसमें उपांचल प्रभुमूर्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-80
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयाम
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंके यह विश्वास
करने का लाग्न है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयालय प्रतिफल से, अपेक्षा छयाम प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच अपेक्षा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावधान में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संक्षिप्त में हिन्द-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा जग्नोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।व्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिचारित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा
के लिए;

मृदुसूची

82, शरत बोस रोड, कलकत्ता । 1 बीघा 2 कट्ठा जमीन
पर बिल्डिंग (1/5 हिस्सा)आई० वी० एस० जुनेजा
सक्तम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16।

तारीख: 18-9-1980

मोहर:

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

प्रकाश प्रार्थना एवं एन.पी.सॉ.—

(1) श्री शिशिर कुमार दत्त

(अन्तरक)

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वैजनाथ सारोगी स्मृतिनिधि

(अन्तरक)

भारत सरकार

सारांश, साहाय्यक भारतीय आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता 16, दिनांक 20 सितम्बर, 1980

निवेदण सं. एस० आर०-550/टी० आर०-278/79-80-
कलकत्ता—यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजाभारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
आर 269-व के पश्चीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- ई० से अधिक हैऔर जिसकी सं. 12/2ए है तथा जो ई० एम० इसाक रोड
पुर्वतन किड स्ट्रीट) में स्थित है और इससे उपावन्द श्रनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 2-1-80को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूझमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पक्षदृष्टि प्रतिकृति से अधिक है और प्रत्यक्ष
(प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण विविध में वास्तविक रूप से कठिन
नहीं किया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय मा किसी दून या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1967 (1967 का 27)
के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत संबंध में कोई भी आशें।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरद्वारा अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्टॉकरण :—इसमें प्रकृत गब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम व अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का परिमाण 8 कड्डा 10 छटाक 24 ल्कायर फट
पर विलंग 12/2ए ई० एम० ईसाक रोड, कलकत्ता।

आई० वी० एस० जुनेजा

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16।

तारीख : 20-9-80

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 24 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 738/एक्षिय० आर-III/80-81/कलकत्ता—यतः;
मुझे, आई० टी० एन० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 10 बी (फ्लैट बी, 1500 स्केयर फिट) है
तथा जो बालिगंज सारकुलर रोड में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-1-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित अधिकारी, प्रर्थात्:—

(1) श्री सोमेश राय सेगल

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती रूपा मेन

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में
से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी
अन्व अविक्षित द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही
प्रथ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10बी बालिगंज सारकुलर रोड कलकत्ता-19 में
ग्रन्थालय 1500 वर्ग फिट० प्लाट नं० बी० जी० 12-1-80
तारीख में डीड नं० 250 अनुसार रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्स
के दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

आई० टी० एन० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 24-9-80

मोहर:

प्रस्तुप आर्थ. टी एन. एस. —————

(1) श्रीमती प्रतिमा मित्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर्थि के० लक्ष्मि चन्द गगलानि

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 24 सितम्बर 1980

निर्देश सं 739/एक्वि० आर-III/80-81/कलकत्ता—यत्,
मुझे, आर्थि वी० एस० जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक हैजिसकी सं 82 है तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
14-3-1980को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—को यह सूचना प्रारंभ करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहों मर्द होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायिक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मनुसूची

82, शरत बोस रोड, कलकत्ता 1 बीघा 2 कट्ठा जमीन पर
बिलिडिंग (1/5 हिस्सा)आर्थि वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, 54, रफीअहमद किंदवार्ड रोड, कलकत्ता-16।

तारीख: 24-9-1980

मोहर:

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रकाश शाई टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

कलकत्ता, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 551/टी० आर०-189/कल०/79-80—यतः
मुझे आई० बी० एस० जुनेजाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 4 है तथा जो पूर्णचन्द्र नाहार इनिउ में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
16-1-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चर्चा से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की वावस उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या(क) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-प की अपेक्षा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम कृष्ण आश्रम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सोनिया वरमन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यकारी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
विकल्प में किये जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

4 नं० पूर्णचन्द्र नाहार एविन्यु, कलकत्ता में अवस्थित
24 कंट्टा जमीन पर एक तल्ला भकान, जो 16-1-80 तारीख
में डीड नं० 302 अनुसार रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्स के दफ्तर
में रजिस्टर हुआ।आई० बी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16।

तारीख: 25-9-1980

मोहर:

(1) श्री रामकृष्ण आश्रम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 54 रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16
कलकत्ता-16, दिनांक 25 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 552/टी० आर०-194/कल०/79-80—
यतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो पूरन अन्दर नाहार एविन्य, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और धूर्णस्लूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-80

को पूर्कोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्कोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यादा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपने में सुविधा के लिए;

(2) श्री विल्लु वरमन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आवधि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति का;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में किसी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरिती के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हप्तोकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 नं० पूरनचांद नाहार एमिनिड कल० में अवस्थित अविभक्त 24 कट्टा जमीन पर एक तल्ला मकान जो 16-1-80 तारीख में डोब नं० 301 अनुसार रजिस्ट्री आफ एस्पोरेम का दफ्तर में रजिस्टर हुआ।

श्री० वी० एस० जुनेजा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, 54 रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16।

तारीख : 25-9-80

मोहर:

यतः आय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की संपत्ति (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्।

प्रस्तुप शाई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर, 1980

सं० राज/सहा० आ/अर्जन/80-81/1702:—यतः मुझे, एम०
एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 224 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री स्पृचन्द्र पुत्र मांवनराज औसवाल, ए-224, शास्त्री नगर, जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री मंगलचन्द्र औसवाल, मनोट, मकराना मोहल्ला, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अवक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 224, सैक्टर ए०, शास्त्री नगर, जोधपुर में स्थित मकान सम्पत्ति का भारा जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 38 दिनांक 16-1-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेंज, जयपुर।

तारीख : 19-9-1980

मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एन०एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 मिन्हर, 1980

आदेश सं० गज०महा०आ०अर्जन/80-81/ 1702 —यतः

मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रणाली, निम्न उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० लाइट नं० 224 है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-1-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उम्मे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनेत्रितो द्वारा प्रहृत नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, व्यक्तियों, निम्नलिखित प्रर्थातः:—

5-286 GI/80

(1) श्री रघुवन्द पुत्रसाविनराज औसवाल, ए-224, शास्त्री नगर, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगल चन्द्र पुत्र उद्देश्वर मनोत, मकराना मौहन्द्रा, जोगपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना, की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञोक्तरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाइट नं 224, सेक्टर 4, सेक्टर ए०, शास्त्री नगर, जौधपुर में स्थित मकान सम्पत्ति का भाग जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 29 दिनांक 16-1-80 द्वारा पंजीबद्ध विक्रप पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 19-9-80

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1980

आदेश सं० राज/सहा/आय अर्जन:—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 18 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरकों द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्वनाथ द्रविड़ पुत्र श्री श्याम शिव शास्त्री, मकान नं० 1037, गोमिन्द गज जी का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० लोड़ा पुत्र श्री एम० एम० लोड़ा, नं० 10, गंगवाल पार्क जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 18, गणेश कालोनी, उनियारा, बाग के पास जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 300 दिनांक 28-1-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 19-9-80
मोहर:एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

प्रस्तुप आई. टी. एन्. एस.-----

(1) श्री अनिल कुमार पुत्र श्री गुलाबचन्द्र आर्य, दरबाजे के पास, भरतपुर।

(अन्तरक)

आगुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सतीश चन्द्र मित्तल पुत्र श्री मनोहर लाल मित्तल, भुसावर।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर, 1980

सं० राज० सहा० आ० अर्जन/80-81/1702:—यतः मुझे
एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैश्रौर जिसकी सं० ——है तथा जो भरतपुर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरतपुर में, रजिस्ट्री-
करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 30-1-1980को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्य में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रणजीत नगर भरतपुर में एक मकान सम्पत्ति जो उस
पंजियक, भरतपुर द्वारा क्रम संख्या 207/95 दिनांक 30-1-80
पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुरदिनांक : 19-9-80
मोहर :

प्ररूप बाई० दी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर, 1980

सं० राज०सहा०आ० अर्जन 80-81/1702:—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शैड नं० एफ० 86 है तथा जो पाली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तर (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय छोटी बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसो किसो आप या किसी धन या अध्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाब्ध प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों अवधारित हैं:—

(1) श्री नवरत्न मल पुत्र मोहन लाल, टांकी का बास, पाली प्रोपराईटर मोहन इंजीनियरिंग वर्क्स, पाली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स विकास टैक्सटाईल्स, इण्डस्ट्रीयल एरिया, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के संबंध में कोई भी मात्रोप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमवंधि अवधियों पर भूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवधिकारी द्वारा प्रदोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें:

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राय वर्षों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्षे होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रीयल शैड नं० एफ० 86, जो श्रीद्योगिक क्षेत्र नं० 2, पाली में स्थित है तथा उप प्रजिक, पाली द्वारा अम संख्या 8 दिनांक 30-1-80 पर प्रजिक्रद विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुरतारीख: 19-9-80
मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती विद्या रानी पसी श्री प्रीतम सिंह अरोड़ा, निवासी श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1980

सं० राज/सहा/ आ अर्जन/80-81/1702—यतः मुझे
एम० एल० चौहान,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० चक नं० 31 है तथा जो सादुलशहर में
स्थित है)और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सादुलशहर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 10-1-1980को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(2) श्री बूटा सिंह पुन्न श्री बलवन्त सिंह जाट, निवासी
नारायणगढ़ तहसील सादुलशहर, जिला श्रीगंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्टयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि जो चक नं० 31, पी०टी०पी०, तहसील सादुलशहर,
जिला श्री गंगानगर में स्थित है तथा उप पंजियक, सादुलशहर
द्वारा क्रम संख्या 1445 दिनांक 10-1-80 पर पंजिबद्ध विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 19-9-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1980

आदेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन /80-81/702—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० चक नं० 31 है तथा जो सादुलशहर, में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय सादुलशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-1-1980, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के] प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की [उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती विद्या रानी पत्नी श्री प्रीतम सिंह अरोड़ा, निवासी श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री बूटा सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह जाट, निवासी नारायणगढ़ तह० सादुलशहर, श्री गंगानगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चक नं० 31, पी० टी० पी०, तहसील सादुलशहर जिला गंगानगर में स्थित भूमि जो उप पंजियक सादुलशहर द्वारा क्रम संख्या 1444 दिनांक 10-1-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख: 19-9-80

सोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 सितम्बर, 1980

सं० राज/सहा० आ० अर्जन/80-81/1703:—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के
प्रधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 6 है तथा जो जौधपुर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 19 जून, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कर निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्री शिवलाल पूर्णलिया एडवोकेट रिसीवर इन
इन्सोल्वेंसी केस नं० 1/68 कोर्ट आफ एडीशनल
डिस्ट्रीक्ट एण्ड सैशन जज, जौधपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री शिवलाल पुत्र धनराज गोयल, राज्यी हाउस,
जौधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा, जो उस प्रधायाय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6, लाईट हॉस्ट्रीयल एरिया, जौधपुर जो
उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 646 दिनांक 19
जनवरी, 80 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 25-9-1980

मोहर :

प्रधन भाई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

सं० राज/सहा० आ० अर्जन/ 80-81/1703 :—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० आबादी प्लाट है तथा जो अजमेर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय अजमेर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक 9 जनवरी 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

(1) श्री लाल कावड़िया पुत्र श्री कन्दनलाल जी कावड़िया नया बाजार अजमेर।

(अन्तरक)

(2) सर्वथी विश्वामजी भाई पटेल पुत्र जस्वसाभाई व
रमजीभाई, रवजी भाई व मनजी भाई मुपुदगण
श्री विश्वामजीभाई पटेल निवासी रायपुर जिला
भुग (गुजरात)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में
से किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त बारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयाप्त 20-क में
परिमावित है, वही अर्थ दोगा, जो उस प्रयाप्त
में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट तादादी क्षेत्रफल 1033 वर्गमीटर, नसीराबाद
रोड, आदर्शनगर अजमेर जो उप पंजियक, अजमेर द्वारा
क्रम संख्या 3239 दिनांक 9-1-80 पर पंजियद्वारा विक्रय
क्रम में और विस्तृत रूप से विवरणित है।एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर।आग: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 25-9-80

मोहर :

प्रकृत प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 मित्तम्बर 1980

मं० राज/महा० आ० ग्रंजन/80-81/1703 —यत मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रदीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर गम्पति, निपात उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी म० खुना प्लाट है तथा जो अजमेर में स्थित
है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), नजिम्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजमेर में, नजिम्टी-
करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 5 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

6-286GI/80

(1) श्रीमती डाकटर मरला बाघ विधवा पत्नी स्व०
दा० एम० एल० बाघ बहैसियत खुद व बहैसियत
म० आ० श्रीमती महादेवी सिसोदिया, श्रीमती
मजूदना व तलिनीजोशी व अमण सिह पुत्रीयां
स्व० डा० एम० एल० बाघ, बाघ काटेज, जयपुर
रोड, अजमेर।

(अन्तरक)

(2) श्री गगा लहरी मुपुत्र श्री मुआलाल जी शर्मा
ठान्दीकुई व श्री रामचन्द्र पुत्र श्री सूर्यनारायण
जी मिश, दौमा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट 600 वर्ग गज का लोहागल रोड, अजमेर
जो उप पंजियक अजमेर द्वारा क्रम संख्या 250
दिनांक 5-3-80 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप में विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख 25-9-1980

मोहरः

प्ररूप आहू. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 सितम्बर, 1980

सं० राज०/सहा०/आ० अर्जन/८०-८१/१७०३ :—यतः, मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिमकी स० प्लाट नं० 43 है तथा जो जौधपुर में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप
से अण्ठत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 18 जन० 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण संहर्द्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती शारदा देवी, शिकात्त एवं हेमलता निवासी
मंयुक्त राज्य अमेरीका द्वारा मुख्यार्थी धारक
श्री बापूभाई देमाई, जौधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एल० चौधरी, पुत्र बालचन्द्रजी
लैवरार इंजीनियरिंग कालेज, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 43 पी० डब्ल्यू० डी० कालोनी, जौधपुर का
भाग जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 58 दिनांक
18 जनवरी, 80 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप में विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

प्रज्ञप्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 सितम्बर, 1980

सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/80-81/1703 :—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी मं० प्लाट नं० 43 है तथा जो जौधपुर में
स्थित है, (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 18 जनवरी, 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे
दूसरमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत में अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है।(र) अन्तरण न हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों
असंतुष्टः—(1) श्रीमती शारदा बेन, एशिकान्त एवं हेमलता वर्तमान
निवासी संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा मुख्तारनामा
श्री बापूभाई देसाई, जौधपुर।

(अन्तरक)

(2) चन्दनमल वैद पुत्र श्री दानमल वैद द्वारा भिन्नर्वा
सिनेमा, जौधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।संधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 43, पी० डब्ल्य० डी कालोनी, जौधपुर
का भाग जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 59
दिनांक 18-1-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक : 25-9-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ० एन० एस० ---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1980

सं० राज०/सहा० आ०/अर्जन/80-८१/१७०३ :—यत्. मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 43 है तथा जो जोधपुर में स्थित है,) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 जन, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(र) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त प्राधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उसमें बचने में सुधार के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रथोगतार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधार के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शारदा बेन, शिक्षिका नन्दा, एवं हेमलता वर्तमान निवासी संयुक्त राज्य अमेरिका, द्वारा मुख्तारनामाधारक श्री वापूभाई देसाई जोधपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री मेघराज पुत्र दानमल द्वारा मिनर्वा सिनेमा, जोधपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आङ्गेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूल्य की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बार में समाप्त होती है, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भावतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधानहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हप्टोक्रेण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भावाय 20-क में परिभावित हैं, उन्हीं अर्थ होगा, जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 43, पौ० डब्ल्यू० डॉ० कालोनी, जोधपुर का भाग जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा अम संज्या 60 दिनांक 18-1-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 25-9-1980

मोहर :

प्रष्ठप ग्राइंडी टी.एस.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर, 1980

स० राज/महा आ अर्जन 80-81/1703—यत मुझे एम० एल० चौहान, पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वा०, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० प्लाट नं० जे-226 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्खो) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरा में दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अनुरक्त के दायित्व में कमो करने या उसमें स्वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी वन या मन्त्र आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के स्तर;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री विजय, कान्त एवं राज कुमार पुद्रान जिन्दास मल, प्लाट नं० जे-227 आदर्श नगर, जयपुर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री कमल चन्द प्लाट नं० जे-226, फतेहटीबा कालांनी दीपक मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेंगा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तस्वीरमध्ये व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उम प्रधायाय में विधा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० जे-226 पर स्थित मकान सम्पत्ति जो व्यापक मार्ग, फतेह टीबा, आदर्शनगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 654 दिनांक 10-1-80 पर पंजि-बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख: 19-9-80

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 सितम्बर 1980

सं० राज/सहा० आ अर्जन 80-8 1/1714:—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम नं० 8 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती शान्तिदेवी पत्नी श्री उमरावल टिकी-वाल, टिकीवालों का रास्ता, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बलजीत कौर पत्नी श्री अजीत सिंह, बी०-68, तिलकनगर एवं देशराज चावला पुत्र स्व० श्री बिसनदास, मकान नं० 16, रामगली आदर्शनगर, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अब्दोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही पर्याप्त द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोदाम नं० 8, ट्राईसपोर्टनगर, आगरा रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 48 दिनांक 27-1-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर I,

तारीख : 29-9-80

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, के आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 सितम्बर 1980

मं. ए०-४/अर्जन:—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ५० ब्लाक एम० है तथा जो 35 राम पुरवाग बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-3-1980, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृद्ध प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अनुसर के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाने के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सत्यवती रघुबीर सिंह।

(अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार भान व गिरीश कुमार भान
नाबालिंग पुत्र श्री चन्द्रभान उपरोक्त विक्रेता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अव्ययित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ५० ब्लाक एन० थोलफल 358.10 वर्ग गज वाके रामपुर बाग सिविल लाइन बरेली व बस लारी सम्पत्ति जो फार्म 37 जो संख्या 907/80 व सेन्डोड में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 11-3-1980 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 1-9-1980

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड टी. एन. एस. --

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० डी०-37/अर्जन:—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है।

और जिसकी सं० 115 य है तथा जो हस्तापुर लखनऊ में
स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 12 फरवरी, 1980, को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दूस्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दूस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लक्ष्मिन।

(अन्तरक)

(2) श्री दिवाकर शुक्ला।

(अन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही ग्रथ होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

आराजी नादादी 5444 वर्ग फिट नं० 115स वाके
हसनापुर लखनऊ (फीहोल्ड) व वह मारी सम्पत्ति जो सेल्डोडा
एवं फार्म 37 जो मंज्या 880/80 में वर्णित है जिनक
पंजीकरण लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 12-2-1980 को
हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ।

तारीख: 10-9-1980

मोहरः

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती लक्ष्मिन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशोक शुक्ला ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) विक्रेता ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कायांलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 सितम्बर 1980

सं० ए०-८५/प्रर्जन:—यस्तः मझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 115 स है तथा जो हसनापुर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कायांलिय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित नी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम्परा वितरण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमाणण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उत्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितिये में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कायांलियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अप्रक्षण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वह न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृश्याकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पृष्ठीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमरस्वी तादास्ती 5444 वर्ग फुट नं० 115 स वाकै हसनापुर लखनऊ व वह सारी सम्पत्ति जो सेलडॉड तथा फार्म 37-जी संख्या 879/80 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्टार लखनऊ के कायांलिय में दिनांक 12-2-1980 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 10-9-1980

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1980

निदेश सं० सी० आर० नं० 1178-ए० सी० क्य०-23

1/80-81—ग्रत: मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शाहपुर बांड नं० 2 का एस० नं० 4093/18/1 है तथा जो शाहपुर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत प्रधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया था। है :—

(क) अन्तरण से मुँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें मार्गीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, बा घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसार भौमि, भौमि उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि:—

(1) कुमारी डेंजी ए० डेनीयल, डेंजी निवास, हिन्दी कालोनी, दादर, बुम्बई-14।

(अन्तरक)

(2) दिनुभाई ऊसालाल पटेल, कर्ता और मैनेजर, दिनुभाई ए० पटेल, (ए० य० एफ०), 15, साधना कालोनी, स्टेडियम के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई भी अस्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तममध्यी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से हिसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशो की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति ने हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अंदर द्वाग जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 139.63 बर्ग मीटर पर बड़ा है, जिसका नं० शाहपुर बांड नं० II का एस० नं० 4093/18/1 तथा जो शाहपुर, अहमदाबाद में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 1522 तारीख 19-1-80 में दिया गया है।

मांगीलाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 18-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1980

निदेश सं० सी० आर० नं० 1177/ए० सी० क्य०-23-1/80-81—अतः मुझे मांगी लाल'

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० शाहपुर नं० 2 का एस० नं० 4093/18/2 है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उत्तरवाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ए१९०८ का 16) के अधीन तारीख 28-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित घटेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी डेएजी ए० डेनीयल, डेएजी निवास, हिन्दी कालोनी, वादर, मुम्बई-14।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनुभाई ए० पटेल, कर्ता दिनुभाई ए० पटेल (एज० य० एफ०), 15, साधना कालोनी, स्टेडियम के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रभेत्ता के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक महान जो जमीन पर खड़ा है जिसका माप 192.30 वर्ग मीटर तथा शाहपुर वार्ड नं० II का एस० नं० 4093/18/2 शाहपुर, अहमदाबाद में स्थित है। जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज द्वारा रज० न० 2069 तारीख 28-1-80 में दिया गया है।

मांगीलाल
सभी प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-J, अहमदाबाद

तारीख : 18-9-1980

मोहर :

प्रकृष्ट आई० डी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1980

निदेश सं० जी० आर० नं० 1176/ए० सी० क्य००-
23-I/80-81—अतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पावात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के प्रश्नोंन सभी प्राविकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 4 का एफ० जी०
नं० 137-बी (पश्चिम बाजू भाग) है तथा जो खोखरा
मेहमदाबाद, अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपावरु
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-1-80
को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे बहु विवास करने
का कारण है कि पश्चात्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों)
के बाच ऐसे प्रस्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिक्लिन, निम्नलिखित
उत्तर से उक्त प्रस्तरण निखित में वास्तविक कप से कमित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधिनियम में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घब्ब-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वयन
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यवित्यों, अवादः:—

(1) श्री घनश्यामभाई चंद्राशकर द्विवेदी, 24, घनलक्ष्मी
सोसायटी, घनश्याम बिला, मणीनगर, अहमदाबाद
(अन्तरक)

(2) लालामनदानी एपार्टमेंट को० हा० सो० लि००
खोखरा मेहमदाबाद, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए अन्तर्यामियत करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरण
किसी प्रत्यक्ष द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किये जा सकेंगे।

उत्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में निर्माणित
हैं, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट माप 536 वर्ग गज जिसका
नं० टी० पी० एस० 4 का एफ० जी० नं० 137-बी (पूर्व
बाजू का भाग) तथा जो खोखरा मेहमदाबाद, अहमदाबाद में
स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज,
धारा रजि० नं० 1082 तारीख 7-1-80 में दिया गया है।

मांगीलाल,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 18-9-1980

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक: 18 सितम्बर, 1980

निदेश स ० पी० आर० नं० 1175/ए० सी० क्य०
23-१/८०-८१—अन्तः मुझे मारी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी स ० एफ० जी० नं० 137-वी (पश्चिम बाजू
भाग) टी० पी० एम० ४ हैं तथा जो खोखरा मेहमदाबाद, अहम-
दाबाद में स्थित हैं (आर इमें उपांचढ़ अनुमूल्य में और
पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 7-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्व, संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) एसो दिसो आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया गया चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों आर्ति:—

(1) श्री महेन्द्रकुमार चंद्राशकर दिवेदी, 24, धनलक्ष्मी
सोमायटी, घनस्थाम बिला, मनिनगर, अहमदा-
बाद।

(अन्तरक)

(2) नारायणभनी एपार्टमेंट को० हां० सौ० खोखरा,
मेहमदाबाद, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

एक खुली जमीन का प्लाट माप 536 वर्ग गज जिसका
एफ० पी० नं० 137वी (पश्चिमी बाजू का भाग) का
टी० पी० एम० नं० 4, तथा जो खोखरा मेहमदाबाद,
अहमदाबाद में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकूट बिश्वी
दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 1083 तारीख 7-1-80 में
दिया गया र।

मारीलाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 18-9-80
मोहर:

प्रूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1980

निदेश मं० पी० आर० नं० 1174/ए० सी० क्य०-
23-1/80-81—अतः मुझे, मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सेक्टर नं० 9 में प्लाट नं० 29 है तथा
जो कड़ला पोर्ट ट्रस्ट, गांधीधाम, कच्छ में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अजार में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
30-1-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी निसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, ग्रहीतः:—

(1) श्री रवीन्द्र जी० पटेल, 23, सेक्टर-4, गांधीधाम,
कच्छ।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रकान्त छोटाभाई पटेल, लायरेक्टर, मैर्स्स
हारडिक होटल प्रा० लि०, प्रोसको कम्पनी, गांधीधाम, अच्छ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शालेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से
किसी अवित्य द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित्य द्वारा, अधिवृद्धताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अठाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अठाय में दिया गया है।

अनुसूची

कड़ला पोर्ट ट्रस्ट का सेक्टर नं० 9 में एक जमीन का
खुना प्लाट, जिसका प्लाट नं० 29 और माप 853.38
वर्ग गज है, तथा जो गांधीधाम कच्छ में स्थित है। तथा
जो रजिस्ट्रीकूल विक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 173-74
तारीख 30-1-80 में है।

मांगीलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 18-9-1980

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 1173/ए० सी० क्य००
23-1/80-81—अतः मुझे मांगी लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एनाट नं० 30, सेक्टर नं० 9 है तथा जो काला पोर्ट ट्रस्ट, गांधीधाम, कच्छ में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंजार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भी ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बावत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आपहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपाधाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः:—

(1) श्री रविंद्र पी० पटेल, 23, सेक्टर नं० 4, गांधीधाम, कच्छ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त छोटाभाई पटेल, डायरेक्टर, मैसस हार्डिक होटेल प्रा० लि०, शोसलो कम्पोउन्ड, गांधीधाम, कच्छ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षता की गयी लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही प्रथा होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कंडना पोर्ट ट्रस्ट का सेक्टर नं० 9 में एक खुला जमीन का लाट जिसका माप 833.33 वर्ग गज है, तथा जो गांधीधाम कच्छ में स्थित है। जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 175-76 तारीख 30-1-80 में दिया गया है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 18-9-1980

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थेट, भोपाल
भोगल, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1705—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो वार्ड न० 17 से स्थित
है (और इससे उपांचढ़ अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
8-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भ्रष्टरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिव
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्राहक व्यक्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नन्द किशोर जायसवाल पिता श्री राम किसन
जायसवाल निवासी सतना।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नवल किशोर जायसवाल पिता श्री राम-
किशन जायसवाल, 2. श्री सुरेश कुमार जायसवाल
पिता श्री राम किशन जायसवाल
दोनों निवासी ललता चौक, सतना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्तर्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

मकान जो कि ललता चौक, सतना में स्थित है।

विजय माथुर
सभाम प्राधिकारी,
निरीक्षण भारतीय आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई० ढी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/ 1712—अतः मुझे विजय माथुर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1980 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—286 GI/80

(1) 1. श्री हरीकिशन, 2. श्री नारायण दोनों पिता शानचद जेतवानी, मकान नं० 18, सिंख मोहनला, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सुरेश कुमार
2. श्री सतीश कुमार दोनों पिता सुरज मल मेहता
3. श्रीमती सरला देवी पन्नी श्री सुरेश कुमार,
4. श्रीमती आशा देवी पत्नी श्री सतीश कुमार
सभी निवासी मकान नं० 27/, श्री रोशन सिंह
भंडारी भाग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

मकान नं० 512 का भाग जो कि महात्मा गांधी मार्ग इन्दौर पर स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षणी सहायक प्रायकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

प्रलूप आई० दी० एन० एस०—

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1712—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो न्यू पलासिया में स्थित
है और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 23-1-1980 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तुरक (अन्तरकों) और प्रस्तुरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने
या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

मकान न० 6/7 न्यू पलासिया, इन्दौर।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी दून या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपादारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री भूरालाल वेदजी रावल, 6/7 न्यू पलासिया
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधारी लाल चौकस, 2. श्रीमती शान्ता
बाई चौकस, 3. श्री उपेन्द्र कुमार चौकस सभी
निवासी 6/7 न्यू पलासिया इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाव में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी
अस्तित्व द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अस्तित्व द्वारा, अधोदृष्टावारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

तारीख : 8-9-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1713—

अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो न्यू पलासिया में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-1-1980 को

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती रत्नबाई पत्नी श्री टुलसीराम खड़ेलाल, 415, एम० डी० रोड, इन्दौर।

(अन्तरङ्ग)

(2) श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री रत्नबाई प्रसाद मकान नं० 218 (जी० एफ०) जवाहर भार्ग, इन्दौर।

(प्रस्तुतिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकेपुः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि 2/3 न्यू पलासिया में स्थित है।

विजय माथुर
सभम प्राधिकारी
(निरीक्षण) सहायक आयकर आयक्षण
अजन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री शिव प्रकाश कपूरिया 5/3 न्यू पलासिया, इन्दौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना(2) सर्वश्री 1. किसन पिता ईदानपास खेतवानी
2. श्रीमती सुशीला पत्नी किसन खेतवानी
3. श्याम पिता किसन खेतवानी
4. जगदीश पिता किसन खेतवानी
सभी निवासी 5/3 न्यू पलासिया, इन्दौर।

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन थेन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निदेश म 0 आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1714—

अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सकाम प्राधिकारी के, यह विवेदास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।और जिसकी सं० मिकान है, तथा जो न्यू पलासिया में स्थित
है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 10-1-1980को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेदास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकारीहृषि करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तोकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।मिलिंगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है।

अनुसूची

मिलिंगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है।विजय माथुर
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपालअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—तारीख 8-9-1980
मोहर

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1716-—

अंतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो 147 जावेरी कम्पाउन्ड में स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्वॉर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-1-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते दूसराने प्रतिफल से, एसे दूसराने प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर बचने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

(1) श्री रमगोपाल पिता लक्ष्मीनारायण 27, जानकी नगर इन्दौर, 2. गिरधारी लाल पिता लक्ष्मी नारायण, 51, कलाली मोहल्ला, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्री गंगाविसन, 2. हुकमी चंद पिता चम्पालालजी बजाज, 147, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्वां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि प्लाट नं० 147 पर जावरा कम्पाउन्ड में बना है।

विजय माथुर
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीखः 8-9-1980

मोहरः

प्ररूप आई० ई० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1716—
अतः मुझे विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो वार्ड नं० 14 रत्लाम
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्लाम
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 23-1-1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है
कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियोंको,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्रीमती लीलाबाई विधवा मिश्री लालजी, लक्षकरी,
धानमंडी, रत्लाम।

(अन्तरक)

(2) श्री सफुहीन पिता कर्यमग्नी खाखास्वाला बोहरा,
ताहेरपुरा, चांदनी चौक, रत्लाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिवाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8, वार्ड नं० 14, फीरांज, रत्लाम।

विजय माथुर

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त
प्रजनन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्ररूप ग्राही ३० टी० एन० एस०—

(1) सर्वेश्वी

1. श्रीमती रत्न बाई विधवा सूरजमल जी भोरा
 2. श्री बाबूलाल पिता सूरजमल भोरा
 3. अंतिम कुमार पिता अनोखी लाल
 4. श्रीमती प्रतिभा कुमारी
 5. मास्टर विकास कुमार पिता विजेन्द्रकुमार,
 6. मास्टर अरुण कुमार
 7. श्री रामेश्वाल जी पिता सूरजमल भोरा
- सभी निवासी धास बाजार, रत्नाम।

(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वी

1. श्रीमती धनलक्ष्मी बाई विधवा सेठ द्वारका दास
2. श्री उमेश कुमार पिता द्वारका दास
3. श्रीमती नैना
4. कुमारी मीना
5. कुमारी निति तीनों पुत्री द्वारका दास जी निवासी एस० जी० रोड, इन्वौर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या ताँसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षता करने के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एवंव्यक्तिगत :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 71 एम० जी० रोड, रत्नाम।

विजय माथुर,
संपत्ति प्राधिकारी,
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
ग्रंथित रेज, भोपाल।

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसार में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

प्रकप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के वशोत सूचना

राजस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्वेश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1718—
अतः मुझे विजय माथुर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपौं से
अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि व मकान है, तथा जो बावड़िया
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 2-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम जै स्थमान
प्रतिक्रिया के लिए अनुरित भी गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अक्तरक (अक्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्य पाया
गया अविकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन करने के सम्बन्ध के
दायित्व में कभी करने या बदलने वा सुचिता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, लिखाने
में सुचिता के लिए;

बहु: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुचरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, विव्याहित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री लक्ष्मी नारायण पिता मोहनलाल जवेरी,
2. श्री राजेन्द्र कुमार पिता लक्ष्मी नारायण
जवेरी 3. श्री राधा किशन जी पिता राम रत्नजी
सभी द्रस्टीगण श्री राम मंदिर, बजरंग पुरा,
देवास।

(अन्तरक)

(2) श्री मरेन्द्र कुमार पिता बंसीधर जी 96, गोपाल
मंदिर मार्ग, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है,
वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

भूमि एवं मकान बाब्बे आगरा मार्ग पर ग्राम बवादिया
जिला देवास में स्थित है। जिसका नं० 54, 56, 57,
58, 59 और 60 है?

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-9-1080

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

सारन सरकार

सार्वजनिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/1719—अत. मुझे विजय मायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्ना अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी से यह विश्वास बरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिन्हीं सं० मकान है तथा जो 99 रविन्द्र नगर, में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायानिय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-1-1980 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी प्रान की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में नहीं करने या उससे बचने में विविध के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन र्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहेर था, दियने में सुविधा के किया

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात्.—

9—186GI/80

(1) श्री गोपाल राव श्रीधर राव, चंद्रकर, 99 रविन्द्र नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री कालराम सुकलाल विनिलकर एडवोकेट, धार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्वेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अन्तिम द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपूत शब्दों और पटों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होता, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली एवं दूसरी मंजिल मकान नं० 99 रविन्द्र नगर इन्दौर की।

विजय मायर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सिनम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1720—अत मुझे, विजय माथुर,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो 99, रविन्द्र
नगर में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुमूली में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 10-1-1980 कोको पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः गब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—(1) श्री गोपालगाव पिता श्रीधर गव चन्द्रगकर,
99, रविन्द्र नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा वाई पत्नी शिवनारायण बिल्लोर,
डॉ ओ० पी० बिल्लोर रोटरी, आई०, हाम्पीटन
नशमारी, गुजरात।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 99, की तल मंजिल जो कि 99, रविन्द्र
नगर इन्दौर में स्थित है।विजय माथुर,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निम्नें स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 80-81-721
अनं मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मूल्य मकान है, तथा जो मेन रोड, कोरबा
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्तालय, कोरबा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 17 जनवरी 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वर्त्तन से
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण में हूं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन फर्देने के अन्तरक के दायित्व में
मी नहीं या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय चालकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः:—

(1) श्री गुलाब चन्द पिता श्री छोटेलाल दिवानगान
मौजा, चम्पा।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरा लाल पिता श्री छोटेलाल, 2 श्री मोहन
लाल पिता श्री छोटेलाल द्वारा कोसा भावन,
पावर हाउस रोड, कोरबा (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याद्वियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि मेन रोड, कोरबा में स्थित है।

विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 8-9-1980

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1722—अतः मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो नेपियर टाउन में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्णे के रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 29-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
परमे का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप सं कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गिरधारी लाल चौकसे पिता श्रीराम चौकसे,
एन-10, साकेत नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुषमा चौकसे पत्नी श्री नित्यगोपाल
चौकसे, 1110 नेपियर टाउन, जबलपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान एवं प्लाट जो कि नेपियर टाउन जबलपुर में
स्थित है।

विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-9-80

मोहर:

प्रूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 8 मितम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1723—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो फूटा ताल में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 1-1-1980 को

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय जा किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी डा० मोहन प्रसाद
उपाध्याय,
2. डा० मोहन प्रसाद उपाध्याय पिता स्वर्गीय
बंसगोपाल उपाध्याय, 526, भरती पुर वार्ड
जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल चौरसिया पिता श्री बचनलाल,
2. श्रीमती कमला बाई पत्नी मोहन लाल
चौरसिया, दोनों निवासी 526, फूटा ताल,
सराफा वार्ड, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शूल-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिअधिक
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममूल्या

मकान जो कि फूटा ताल, सराफा वार्ड, जबलपुर में
स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269—ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1725—अतः मुझे विजय माथुर
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुर्जुग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, खालियर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-1-1980

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269—ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269—ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामचरण पिता कन्हई वाथम डबरा मण्डी, परगना डबरा, खालियर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार गोयल पिता हरीगंकर गोयल, 2. यशपाल गोयल पिता हरीगंकर गोयल, दोनों निवासी बाल बाजार, लम्कर, जिला खालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20—क में परिभ्राष्ट हैं, वही प्रथम होणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम बुर्जुग, परगना डबरा की भूमि (खसरा नं०)

343/2 मिन	347 मिन	348/1349/1 मिन	354/2 मिन
3 बिस्वा नं० 355 बटा	1 बिस्वा 1 ब० 2	4:2 बीघा 356 बटा 1	5 बीघा 16 बि० कुल र० 6 बी० 15 बि०

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर प्रायुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 16-9-1980
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

निर्देश मा० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1724—अत. मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी मा० मकान है, तथा जो मोदी का चोबड़ा
में स्थित है (और इसमें उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण स्पृ
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 4-1-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रतिकरण (अन्तरकर्ता) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्थान
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बादत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिकरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरकरण
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री नेमूल पुत्र आवर दाम, जाति मिथ्यी,
गीता कालोनी, मोदी का चोबड़ा, उज्जैन।

(अन्तरकरण)

(2) 1 श्री मुन्दर लाल, 2. बुल चन्द, रमेश चन्द
पुत्र गण गोविन्द राम जी, 4 महेश चन्द गिरा
गोविन्दराम जी सरदार पुरा, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान ना० 11 जो कि गीता कालोनी मोदी का चोबड़ा
शहर उज्जैन में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 16-9-1980

मोहर :

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थेल, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1726—अतः मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो मोटर स्टैन्ड में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-1-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या;

(ब) गेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिल्हे मार्तीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः द्वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अपर्याप्ति:—

1. श्री नन्द लाल पिता श्री मान सिंह चौपरा घास
बाजार रत्नाम।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुला पिता मोहसीन अली, हजरत बोहरा,
चांवनी चौक, रत्नाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवज्ञन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाइंद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हाइटीक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि बाजाना मोटर स्टैंड रत्नाम में स्थित है।

विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 16-9-1980
मोहर:

प्रलेप आई० टो० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेन्स, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1728—अतः मुझे विजय माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक हैश्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो मोती महल में स्थित
है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 28-1-1980 कोको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) आनन्दपुर इस्ट, अशोक नगर, जिला गुना।

(अन्तरक)

(2) श्री राम स्वरूप गुलाटी पिता श्री खेराती लाल
गुलाटी, 2. श्रीमती विमल गुलाटी पत्नी श्री राम
स्वरूप गुलाटी, पाटनकर बाजार, लक्ष्मणपुर
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्णित अवधि
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 26/44 (नया) का भाग जो कि महसूगांव
रेलवे पुल पड़ाव की तरफ ग्वालियर में स्थित है।

विजय माधुर

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः 16-9-1980

मोहरः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

10-268GI/80

प्रलेप आई० टो० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के ग्रधीन सूचना

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मितम्बर, 1980

निरेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1730—अतः मुझे विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस के पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के ग्रधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है फि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो मोती महल में स्थित
है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
ग्रधीन तारीख 28-1-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के निए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
प्रदृढ़ प्रतिगत से प्रविष्ट है और अन्तरक (अन्तरकों)
प्रोट अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिक्रिया के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिक्रिया में दुर्दि किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के ग्रधीन कर क्षेत्र के प्रतिक्रिया के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पर्याप्त प्राप्तियों
की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपराजे में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तीतः:—

1 श्री ग्रान्तद पुर द्रूष्ट, ग्रामीक नगर, जिला गुना।
(अन्तरक)

2 श्री खराती लाल गुलाटी, (2) श्रीमती राजरानी
पत्नी श्री खेरातीलाल गुलाटी, निवासी पाटनकर
बाजार, लक्ष्मी, जिला ग्वालियर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रधन के
निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रधन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य अन्तरिती द्वारा, अवोद्धताभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधितरम्:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

मनुसंगी

मकान नं० 26/44 (नया) का भाग जो कि महल
गांव रेलवे पुल मोती महल ग्वालियर में स्थित है।

विजय माथुर,
संसाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-9-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एम्. एस्. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1729—यतः मुझे विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो मोती महल में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण उचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाए है, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

(1) श्री आनन्द पुर द्रस्ट, अशोक नगर, जिला गुना।
(अन्तरक)

(2) 1. श्री श्याम सुन्दर गुलाटी पिता श्री खंडराती लाल गुलाटी, 2. श्रीमती कमला गुलाटी पत्नी श्री श्याम सुन्दर गुलाटी दोनों निवासी पाटनकर बाजार, लश्कर, ग्वालियर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वान्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख गं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्णित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं० 26/44 (नया) का भाग जो कि महलगाव रेलवेपुल मोती महल, ग्वालियर में स्थित है।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-9-1980

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापक
26७-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1731—अतः मुझे विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यापक
26७-व के प्रधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इनित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो लबोरिया भौल में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
23-1-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी ज्वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की व्यापक 26७-व के ग्रन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की व्यापक 26७-व की उपचारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति :—

(1) श्री रत्नलाल पिता कस्तूर चन्द जी मकान नं०
5/5 महेश नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री नाजिर हुसैन पिता श्री मोहम्मद हुसैन 61,
नारमल स्कूल रोड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ते
प्रधीनवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्ते के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से
किसी अविक्षित द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी
अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताकारों के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि 123, लबेरिया मेल रोड पर स्थित
है।

विजय माथुर,
सकाम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 16-9-1980
मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० [सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1732—अतः मुझे विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सक्रम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो गांधी नगर कालोनी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन तारीख 14-1-1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ याया या प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया जाया
है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, घोर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं
किया जाया या किया जाना चाहिए वा;
छिपने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नसिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जोगेन्द्र सिंह पिता सरदार साधू सिंह जी,
गांधी नगर कालोनी, ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीला भद्रोरिया, पली श्री एम० एस०
भद्रोरिया, 2. श्रीमती पुष्पा भद्रोरिया पत्नी
श्री अनुप्रताप सिंह भद्रोरिया, दोनों निवासी
ग्राम हरीका (गढ़ी) तहसील मेहगांव जिला
भिन्ड।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 27-सी, गांधी नगर कालोनी, ग्वालियर।

विजय माथुर,
सक्रम प्रधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 17-9-1980

मोहर:

प्रखण्ड आई० टी० ए० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धनेश, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/

1733—अतः मुझे विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परिवर्तत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो रत्नाम में स्थित
है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29-1-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
कार्यालय में करने या उससे बचने में सूचिधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने में
सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बसीर खां पिता मोहम्मद खां, 2. मोहम्मद
अजीज खां पिता बसीर खां सेलाना याँ, रत्नाम,
3. आसिफ दुसैन पिता निसार दुसैन, हाट की
चौकी रत्नाम।

(अन्तरक)

(2) 1. मोहम्मद शाहिद पिता मो० सफी, 2. जमील
अहमद पिता मो० सफी, स्टेशन रोड, रत्नाम,
3. भगवती प्रसाद पिता कन्हैया लाल लुहार,
4. जीरेन्द्र कुमार, 5. हुकम चन्द, 6. सुशील
कुमार तोपचाना रत्नाम, 7. राजेन्द्र वर्मा
कन्हैया लाल वर्मा, न्यू रेलवे कालोनी,
रत्नाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भूमि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 49, 73, रत्नाम।

विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 17-9-1980

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एव० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थेव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/8 0-8 1/

1735—अतः मुझे विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है, तथा जो साधू नगर कालोनी
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का
16) के अधीन तारीख 1-1-1980 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्पष्ट पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—(1) श्री गुनाब चन्द्र पिता राम चरण वर्मा 122
पलसीकर कालोनी इन्दौर द्वारा लक्ष्मनदास पिता
प्रोचोर रामजो, 18 पलसीकर कालोनी, इन्दौर।
(अन्तरक)(2) श्रीमती जयश्री पति श्री राम चन्द्र जो, 29,
साधू नगर, इन्दौर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में ह्रृत-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।मकान जो कि 29 साधू नगर कालोनी, इन्दौर में
स्थित है।

तारीख: 17-9-80

मोहर:

प्रकाश प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मिनस्वर 1980

निवेश सं० आई० प० सी०/अर्जन/भोपाल/8 0-8 1/
1736—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाया है), भी बारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जमालपुरा में स्थित
है (और इससे उपार्वक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 1-1-1980 को

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथाधूर्वाद सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिक्रिया से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के
दोनों ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया जाया है।—

(क) प्रम्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कठीन करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वस्तु या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिक्षीय प्रकार प्रकट नहीं किया जाया था या किया
जाना चाहिए था, उसमें में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों अधीनः—

(1) अमता पुष्पा पत्नी श्री अजलाल नलरेजा, 51
ईदगाह हिल, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र पिता श्री परिपियोमल ललवानी भवन
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रविधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि द्वाद
में समाप्त होती हो, के पीतर पूर्वोक्त अविक्षिय में से
किसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
पृथ्य अविक्षिय द्वारा, अप्रोहस्ताकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त शब्द जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

मनुसूची

मकान जो कि प्लाट नं० 69, डी० सेक्टर, जमाल पुरा,
भोपाल में स्थित है।

विजय माथुर,
मकान प्राधिकारी
निराकाश महायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-9-1980

मोहर :

प्रस्तुत आहू. टी. एम. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आहू० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/८०-८१/
१७३७—अतः मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो खंडवा में स्थित
है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खंडवा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21-1-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरात्र प्रतिफल से, एसे दूसरात्र प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण में दर्शाया अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँहूँ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हूँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

—२८६१/८०

(1) श्री महेश कुमार पिता कुन्जीलाल कानूनगो,
2. श्री राजेन्द्र कुमार व श्री शशि कुमार, पिता
श्री महेश चन्द कानूनगो, जवाहर गंज, खंडवा ।
(अन्तरक)

(2) आदर्श परिवार गृह निर्माण सहकारी समिति
लिमिटेड, खंडवा द्वारा श्री किशोरी लाल पिता
श्री कालू राम शर्मा अध्यक्ष, भगत सिंह चौक,
खंडवा ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना वहाँ, कर्तव्य पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकारी होना करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्रेपः—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि जो कि खंडवा जावर रोड, खंडवा में
स्थित है। (खमरा नं० 26 पुराना एवं 44 नया)।

विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 17-9-1980

भोपाल।

प्रृष्ठ पाईं ३० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/८०-८१/ 1738—अतः मुझे विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो मंगालिया भै स्थित
है (प्रोत्ते इससे उपावद्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायालिय, इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 5-1-1980को पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख द्वे उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्री हरोराम पिता नाना जौं ग्राम मंगालिया
तहसील सांचर, जिला इन्दौर।

(अन्तरर)

(2) मै० सेन्ट्रल एवा स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड, 3/1 मनोरमा
गंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वावृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां फरला हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की लागील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावृत्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'जक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में विरभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रन्ति सूची

भूमि खसरा नं० 31 (भाग) जो कि ग्राम मंगालिया
में स्थित है।विजय माथुर,
मक्तव प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षक),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1739—अतः मुझे, विजय मायुर,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो मांगलिया में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 7-1-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे अच्चने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि खतरा नं० 31 (भाग) जो कि ग्राम मांगलिया
में स्थित है।विजय मायुर,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री हरीराम पिता नानाजी ग्राम मांगलिया तहसील
सांवर, जिला इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मै० सेन्ट्रल एका स्टोरस प्राइवेट लिमिटेड, 3/1
मनोरमा गंजा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।तारीख : 18-9-1980.
मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एम० एस०—
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ध (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायकर ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन अन्व, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 सितम्बर 1980

निवेश स० आई० ए० स००/ग्राम्यम/मेमाल/४०-८१/
१७४०—अतः मुझे, विजय माथुर,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ध
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
ग्रोट जिसकी स० प्लाट है तथा जो खजराना में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30-1-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के व्ययोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) मैं० वैभव सहकारी गृह निर्माण संस्था, 2- उदय-
पुरा इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) कुमारी संदराव पुत्री श्री किन्नाथ नादिर पीढ़ी
4 मनोरमांगंज इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योत्तराशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पूर्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
नयं होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लाट नं० 1 गुलमोहर खजराना इन्दौर में स्थित
है।

विजय माथुर,
सक्षम प्राधिकारी,
महायकर ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 18-9-1980
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

(1) मैसर्स वैमन गहकारा गृह निर्माण संस्था,
2, उदयपुरा, इन्दौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 सितम्बर 1980

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/8 0-8 1/
1742—ग्रातः मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसको संज्ञा प्लाट है तथा जो खजराना में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
30-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी ऐसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अस्ति:—

(2) मेजर जगदांश चन्द्र कानल्ला, पिता श्री आई
चन्द्रा कानल्ला, 108 वल्लभनगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभावित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्लाट नं० 40, गुलमोहर खजराना इन्दौर में स्थित
है।

विजय माथुर
पक्षम प्राधिकारी
निरोक्षा महायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-9-1980
मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 सितम्बर, 1980

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
1741—अतः मुझे, विजय माथुरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो खजराना
में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर
में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 30-1-1980 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे
दूर्घमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के निए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मैं वैभव महकारी गृह निर्माण संस्था,
2, उदयपुरा, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री कितनुपिता गुरुवा पुजारी कोटवान, 4 मनोरमा-
गंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, गुल मोहर खजराना, इन्दौर।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपालतारीख 18-9-1980
मोहर।

प्रस्तुप शाई०टी० एन० एस०
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ख (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन क्षेत्र, भोपाल
 भोपाल, दिनांक 18 सितम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/80-81/
 1746—अतः मुझे विजय माथुर,
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो खजराना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रे॒-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर विश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) मै० वैभव सहकारी गृह निर्माण संस्था, 2 उधा पुरा, इन्दौर।
 (अन्तरक)

(2) श्री हमीर सिंह पिता दीनत राम जो मोदी 6/7 महेश नगर, इन्दौर।
 (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 37, जो कि गुलमोहर खजराना इन्दौर में स्थित है।

विजय माथुर
 सकाम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 18-9-1980
 मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुस्थ (परिवहन)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 सितम्बर 1980

निदेश सं० टी० एस० आर०/15/79-80—प्रतः मुझे
गो० सि० गोपाल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकी पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी स० कृषि भूमि 16 कनल 1 मरला है तथा
जो ग्राम गारी में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1980
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरीरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—(1) श्री देवा दयानि पुत्र श्री मोता राम निवासी
शाहबाद।

(प्रनेत्रक)

(2) मै० कृष्णा मालवेंट इन्डस्ट्रीज प्रा० नि०, शाहबाद
(हेड आफिस 504, अलोपुर, देहली-36)।

(अन्तरित)

को यह सूचना पारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
पारित्यक में कमी करने या उससे बचने में सुकृति
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भ्रकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

गो० मि० गोपाल

सक्षम प्राधि इरा

सहायक आयकर आयुक्त (निरंक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण
में, मै०, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अपील निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक:—तारीख: 19-9-1980।
मोहर:

प्राप्तप्राप्ति टी० एल० एस०—————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 व(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, रोहतक
 रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1980

निदेश सं० आर० टी० के०/13/80-81—अतः मुझे
 गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन
 रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 14 है तथा जी डी० एल०
 एफ० कालोनी, रोहतक में स्थित है (और इससे उपावद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1980 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 फ्रैंड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररक्तों)
 और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
 लिखित में शास्त्रिक रूप से कहित नहीं किया जाया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
 विवित में छनी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 दूसरे अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसूचण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उच्चारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अविवादी, अवाहृत:—

(1) (1) श्रीमती धनवन्ती, विधवा
 (2) सर्वेश्वी हरबन्स लाल एडवोकेट, हरीश कुमार
 पुत्रान श्री मावन मल सहगल, निवासी 1-सी/38,
 न्यू रोहतक रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वी बलवन्त सिंह, बलवान सिंह, बलजीत
 सिंह, जगदीश सिंह, पुत्रान श्री सुरजन सिंह जाट
 निवासी ग्राम खरेन्टी, तहसील रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहिया करला हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोदृस्ताकरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्लीकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 14, जिसका क्षेत्रफल 401 वर्ग गज
 है तथा जो डी० एल० एफ० कालोनी, रोहतक में स्थित है
 तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता रोहतक के
 कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2461, दिनांक 20-8-1980 में
 दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-9-1980

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस० -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 कालोनी रेज, रोहतक
 रोहतक दिनांक 17 मित्सबर 1980
 निवास स० घार० टी० ब००/१२/८०-८१—श्रत मुझे,
 गो० मि० गोपाल, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन
 रेज, रोहतक
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. में अधिक है

और फि०प्क, स० प्लाट न० 15 है तथा जो डी० एल०
 एफ० कालोनी, रोहतक में स्थित है (और इससे उपावच्छ
 अनुमूर्चि में अंगूष्ठ पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
 कारी के नामालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1980
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्वह
 प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
 सुविधा के लिए,

न अब, उक्त अधिनियम नी धारा 269-ग के, अनुसरण
 में, इन उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) (1) श्रमनी धनवन्ती, विधवा
 (2) श्री हरबन्न लाल, एडवाकेट पुत्रान श्री मादन
 (3) श्री हर्ष कुमार } महगल
 निवास १-मी/३८, न्यू रोहतक रोड, दिल्ली।
 (अन्तरक)

(2) (1) मर्वश्री कुलदोष मिह, विजेन्द्र सिंह
 पुत्रान श्री नंके मिह
 (2) श्री शमशेर मिह पुत्र श्री बाग मिह
 (3) श्री प्रेमजीत पुत्र श्री जिले सिंह जाट
 निवासी ग्राम खरेन्टी, तहसील रोहतक।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
 बद्ध किली अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट न० 15, जिसका क्षेत्रफल 401 वर्गजग्य
 है तथा जोकि डी० एल० एफ० कालोनी, रोहतक में स्थित
 है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता रोहतक
 के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2460 दिनांक 20-8-1980
 में दिया गया है।

तारीख 17-9-1980
 मोहर

गो० मि० गोपाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, रोहतक

प्रख्युप आई० टी० एन० ए०प०-----

श्रावकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 सितम्बर 1980

निदेश मं० श्रार० टी० एन०/४/८०-६१—अतः मुझे,
गो० मि० गोपाल, निरीक्षी महायक श्रायकर श्रायुक्त अर्जन
रेंज, रोहतकश्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान नं० 647, वार्ड नं० 20, मेन
चौक है तथा जो टी० एल० ए०क० कालोनी, रोहतक में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के
अधीन, नारख अप्रैल, 1980 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे
दूसरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से कुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—(1) श्रा० रिसाल मिह० पुत्र श्रा० शेर गिह० 537, डी०
एल० एक० कालोनी, रोहतक।(अन्तरक)
(2) श्रा० बो० पो० श्रार्या०, एक्जेक्यूटिव इन्जीनियर,
श्रो० पा० डिवोजन, मिरसा।

(अन्तरित।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममात्स होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी अधिकता द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भव्यता में
हितबद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोसूस्ताक्षरी
के पाय निखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 647 वार्ड नं० 20, नजदीक मेन
चौक डी० एल० ए०क० कालोनी, रोहतक तथा निम्नका
और अधिक विवरण, रजिस्ट्रीकर्ता रोहतक के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 413 दिनांक 22-4-1980 से दिया गया
है।गो० मि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 19-9-1980

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 सितम्बर 1980

निदेश सं० डॉ० एन० एफ०/19/79-80—अतः मुझे,
गो० सि० गोपाल, निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन
रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लाट नं० बी०/81, ब्लाक एच, टाउनशिप
है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है और इससे जपांड
अनुसूचा में और पूँण रूप में वरिण है), रजिस्ट्रीकर्टा अधि-
कारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1980 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,
1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृश्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
रुचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, दूँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सरदार लाल चौपड़ा पुत्र श्री गुलाब राम
चौपड़ा, सी-2/सं० (पाकिट-2) पलैट नं० 196,
जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गणेश दाम गेरा पुत्र श्री खान चन्द गेरा,
निवासी 2-एच०/16, न्यू टाउन शिप, फरीदाबाद
(हरियाणा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के रास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० बी०/81, ब्लाक एच, न्यू टाउनशिप
फरीदाबाद तथा जैमा कि प्रीर अधिक रजिस्ट्रीकर्टा देहली
के कार्यालय में, रजिस्ट्री क्रमांक 133 दिनांक 25-2-1980
में दिया गया है।

गो० मि० गोपाल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 19-9-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अक्टूबर 1980

निवेश सं० जी० आर० जी०/311/79-80—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि रक्कां 54 कनाल 2 मरले हैं तथा जो ग्राम चोम, तहसील गुडगांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव; रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी,

1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह अंतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों, भर्तातः—

(1) श्री हरीपाल पुन्न श्री करम चन्द निवासी नकोदर, जिला जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश चन्द पुन्न श्री रत्न मल, निवासी 3ए, प्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अङ्गाय 20 रु में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अङ्गाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रक्कां 54 कनाल 3 मरले जोकि ग्राम चोम तहसील गुडगांव में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता गुडगांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3808 दिनांक 24-1-1980 ; दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 1-10-1980

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०----
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक
रोहतक, दिनांक 1 अक्टूबर, 1980

निदेश मं० जी० आर० जी०-32/79-80—अतः मुझे,
गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन
रेंज, रोहतक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सम्भव प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

मैंने जिसकी मं० भूमि रक्का 54 कनाल 2 मरल है तथा
जो ग्राम चोमा तहसील गुडगांव में स्थित है (ओर इससे
उपावड़ अनुसूची में मैंने पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव, रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिफल
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मनोहर लाल पुत्र श्री शंकर दास निवासी
नई आबादी नकोदर, जिला जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष देवी पत्नी श्री कैलाश चन्द्र
निवासी आर० एस०-12, कोटला मुबारकपुर,
देहली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रे —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि लाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रक्का 54 कनाल, 2 मरले जोकि ग्राम
चोमा में स्थित है तथा जिसका ओर अधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता गुडगांव के कार्यालय भ रजिस्ट्री क्रमांक 3809 दिनांक
24-1-1980 ; दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-10-1980
मोहर:

प्राप्ति आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 अक्टूबर 1980

निवेश सं० जी० आर० जी०/33/79-80—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल, निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मूल्य 23,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 54 कनाल, 2 मरले हैं तथा जो ग्राम चोमा, तहसील गुडगांव ; स्थित है (आंग इसमें उपाबद्ध अनुसूची ; और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव ;, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पांच गग अतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय कीबाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों पर्याप्त हूँ:—

(1) श्री गुरुदयाल पुत्र श्री भाग मल निवासी जालन्धर (अन्तरक)

(2) श्रीमती मन्तोप देवी पत्नी श्री कैलाश चन्द निवासी आर० एम०-12, कोटला मुबारकपुर, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समानी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियमों में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रक्का 54 कनाल, 2 मरले जोकि ग्राम चोमा तहसील गुडगांव ; स्थित है तथा जिसका ग्रोर अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुडगांव के कार्यालय ; रजिस्ट्री क्रमांक 3810 दिनांक 24-1-1980 ; दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 1-10-1980

मोहर:

प्रलूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 सितम्बर 1980

निवेद सं० बी० जी० आर०/३०/८०-८१—अतः मझे,
गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन
रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल, 18½ मरले
हैं तथा जो बल्लबगढ़ में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई, 1980

को पर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाषा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री स्वर्णत कुमार पुत्र श्री ब्रजराज मिह मार्कानि
श्री बृजराज सिंह, निवासी बल्लबगढ़।

(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वी/श्रीमती

- (1) मूर्ति देवी पत्नी श्री श्रीम प्रकाश
- (2) जय चन्द्र पुत्र श्री श्रीचन्द्र
- (3) सरोज रानी पत्नी श्री ज्ञान चन्द्र
- (4) प्रभोद पुत्र श्री श्रीचन्द्र
- (5) शकुनला मुपुत्री लक्ष्मन दास
- (6) ज्ञान वन्ती पत्नी श्री देव राज
- (7) बलदेव राज पुत्र श्री किशन चन्द्र
- (8) इन्द्रा कौशिक पत्नी श्री महेश चन्द्र
- (9) सतेन्द्र कुमार पुत्र श्री मेहर चन्द्र
- (10) विनय कुमार
- (11) धर्मपाल पुत्र श्री नन्द लाल
- (12) कृष्ण गोपाल पुत्र श्री नन्द लाल
- (13) शान्ता जुनेजा पुत्री श्री हरि चन्द्र
- (14) पूरन चन्द्र पुत्र श्री किशन चन्द्र
- (15) मांगे राम पुत्र श्री लखी राम
- (16) किशनचन्द्र पुत्र श्री खान चन्द्र
- (17) सुरेश कुमार पुत्र श्री राम नारायण
- (18) होशियार सिंह पुत्र श्री सन्त राम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाट भूमि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निलिखित भूमि किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बधाय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस बधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 18½ मरले जोकि
बल्लबगढ़ में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण
रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4990
दिनांक 17-7-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 20-9-1980

मोहर:

प्रस्तुप घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 सितम्बर 1980

निदेश मं० बो० ज० आर०/32/80-81—प्रत मुझे
गो० मि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन
रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि रक्कड़ा 4 कनाल 18½ मरले
है तथा जो बलबगड़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, बलबगड़ में, रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि प्रयोगुद्देश सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त असरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रश्नम मिह पुत्र श्री अनन्दराज सिह निवासी
बलबगड़। (अन्तरक)

2. मर्वशी:

(1) मांगे राम पुत्र श्री लखो राम, मुकेश
कालोनी, बलबगड़।

- (2) बिमला जुनेजा पत्नी श्री गुरदत्त जुनेजा
- (3) श्रीम प्रकाश पुत्र श्री वाबू राम
- (4) मतीश कुमार पुत्र श्री जासो राम
- (5) हरभगवान पुत्र श्री मिलाकी राम
- (6) आम प्रकाश पुत्र श्री मिनाकी राम
- (7) प्रभु दयाल पुत्र श्री सुखराम, निवासी
कोमा कला
- (8) मुभाप चन्द पुत्र श्री हरी चन्द
- (9) लखमी देवी पत्नी श्री श्रीम प्रकाश
- (10) पुरन चन्द पुत्र श्री किशन चन्द
- (11) श्रीमति मुष्मार्गमी पुत्रा श्री आर० के० शर्मा
- (12) बलदेव राज जुनेजा पुत्र श्री किशन चन्द
- (13) शान्ता मुपुत्री हरी चन्द
- (14) शिवारायण पुत्र श्री नवदा सिंह
- (15) शिव राम पुत्र श्री चोणु राम
- (16) वेद प्रकाश पुत्र श्री रोगन लाल
- (17) राजदीर्घ सिंह पुत्र श्री तोफा सिंह तथा
हीरा लाल पुत्र श्री सुखा राम
- (18) लाडो देवा पत्नी श्री टीकम सिंह
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
नष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षाकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर वर्णन का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुमूली

सम्पत्ति भूमि रक्कड़ा 4 कनाल 18½ मरले जोकि
बलबगड़ में स्थित है तथा जोकि रजिस्ट्रेकर्ट बलबगड़
के कार्यालय में रजिस्ट्रेकर दिनांक 9-4-1980 में दिखाया
गया है।

गो० मि० गोपाल
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 30-9-1980

गोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मितम्बर 1980

निवेदण सं. ए.प. एम. आर. 80-81/119—यतः मुझे
आनन्द मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ध के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं. ए.प. प्राप्ती है, जो करमों दिओरों अमृतसर
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ए.प.
आर. अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते दल विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दशमान प्रतिफल से, ऐसे दशमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री करम चन्द्र पुत्र रलोदू राम वामी बाजार
करमो, दिओर, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री राम मृति खन्ना पुत्र हरींग मल, गल कुमार
खन्ना पुत्र राम मृति खन्ना, श्रमत: कमला खन्ना
पत्ना: गम मृति खन्ना, रीटा खन्ना पत्ना: मुरेश
कुमार खन्ना, वाम, 350 शास्त्री नगर,
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. श्री हजारा मिह किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरों जानता है)।

4. श्री/श्रीमती/कुमारी और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्राप्ती जो कि बाजार करमों दिओरी जैसा कि
मेल डिल नं. 7897/आई०, दिनांक 11-1-1980 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह

मक्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 6-9-1980

मोहर:

प्र० र० आई० टी० एन० एस० —

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अगस्त, 1980

निदेश म० ए० प० आर०/80-81/120—यत् मुझे
एम० ए० महाजन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन नज़ारा प्राविहारी हो, यह विश्वास करने का कारण है नि-स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी स० एक प्लाट कोट रोड, अमृतसर है, जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), जिसकी अधिकारी के कायदिय, एम० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रेब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) नरिन्द्र सिंह सरकारिया पुन जान मिह वासी कोट खालमा, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरबखन मिह पुत्र वृत्यम मिह वासो कोट रोड, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि न० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) और कोई ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन रा टुकड़ा (खसरा न० 3430/932/6 (न० 52-53) कोट रोड पर अमृतसर मजदूक रिआलटी सिनेमा जैमा कि मेल डाड न० 2910 दिनांक 11-1-80 जिसकी अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० ए० महाजन
मक्कम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, उक्तद्वपूरी टेलर रोड, अमृतसर।

तारीख : 27-8-1980

मोहर :

प्रकृष्ट श्राई० टी० एन० एस०-----
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० ए० स० अनु० ८०-८१/१२१—यतः मुक्त आनन्द
मिह
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है।

और जिसकी सं० एक प्राप्ती है, जो क्या नन्द नगर अमृतसर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारों के कार्यालय
एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अनवरी, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में डास्टोक रूप से
कथित नहीं दिया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1 श्री बलवन्त सिंह बिन्द्रा पुत्र श्री हरी मिह बाई
ओ०/एम० महा मिह गेट, अमृतसर।

(अन्तरक)

2 श्री प्रेम सोनी पत्नी श्री मोहदलाल, युद्धण कुमारो
पत्नी मदन लाल बीना सोनी पत्नी रमन कुमार
निवासी 67 दया नन्द नगर, अमृतसर।

(अन्तरिता)

(3) जैसा कि म० २ ओर कोई निरायेदार।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग, मैं
सम्मति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-
लम्नाक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के संवंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्यक्षित द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

ग्राधा हिस्सा मकान में न० 1980, 2 ओ० एम० महा
मिह गेट बरकोमा 17½ वर्ग मोटर) जैसा कि सेल
डोड न० 2893/श्राई० दिनांक 11/1/1980 रजिस्ट्रेकर्ट
अधिकारी अमृतसर में दर्द है।

ग्रानन्द सिंह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख: 6-9-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

(1) श्री खजान्चो लाल पत्नो ईशर दाम वासा
नवां कोट, अमृतसर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मितम्बर 1980

निवेद नं० अमृतसर/8 0-8 1/122—यत मुझे, आनन्द
सिंह,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसको मं० एक प्लाट है जो इस्लामाबाद कृष्णनगर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वयं
में वर्णित है); रजिस्ट्रेकर्टी अधिकारी के कार्यालय
एम० आर० अमृतसर ने रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दशमान प्रतिफल से ऐसे दशमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः—

(2) श्री अमर सिंह पुव गुरदित्ता मल वासो 92
मन्तनगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

(3) जैमा मं० 2 आंर कोई किरायेदार।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग भे
सम्पत्ति है।)(4) आंर कोई।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-
हस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितमेढ़ है।)

अनुसूच।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्मा जमीन का टुकड़ा 245-1/2 वर्ग माट्स
जो कि इस्लामा बाद आबादी कृष्ण नगर, अमृतसर जैमा कि
सेल डीड नं० 3052/आई०, दिनांक 21-1-1980 रजिस्ट्री
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 6-9-1980
मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 सितम्बर, 1980

निदेश सं० अमृतसर/8 0-8 1/123—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ ने प्रीती सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है, जो इसलामाबाद में स्थित है (और इसमें उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्षेत्रसार अमृतसर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रो खजान्चा/लाल पुत्र ईशर दास वासी; नवां कोट, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दलजीत कौर पत्नी; अमृत मिह वासी 92, मन्त नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 और कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हिन्दूद्वारा है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन तकी अवधि, जो भी अवधि याव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू-द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्मा एक टुकड़ा प्लाट 245-1/2 वर्ग मीटर इसलामाबाद आबादी कृष्ण नगर अमृतसर जैसा कि सेल डिड नं० 3054/आई०, दिनांक 21-1-80 रजिस्ट्रेशन अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह

सक्षम प्राधिकारी

महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, अमृतसर

तारेख : 6-9-1980

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मितम्बर, 1980

निदेश मं० अमृतसर/80-81/124—यतः मृमे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० कोठी नं० 19 है, जो रतन चन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भू उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

(1) शिव दयाल पुत्र निर्गन्जन दाम निवासी कटरा मोहर मिह, अमृतसर।

(अन्तर्क)

(2) श्री विज कृष्ण पुत्र किशन चन्द, बन्धु पुत्र विज किशन, वास, कोठी, नं० 92 रतन चन्द रोज, अमृतसर। (अन्तर्गत)

(3) जैमा कि नं० 2 और कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।

(4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और धरों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 19, रतन चन्द रोड (खसरा नं० 562) अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2840/आई० दिनांक 8/1/80, रजिस्ट्रे अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द मिह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।तारोत्रः 6-9-1980
मोहर।

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०-----

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मितम्बर, 1980

निदेश सं० ए० एम० आर०/80-81/347—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो मजीठा गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्युत्तरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधीक्षित हूँ।—

(1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र तारा मिह निवासी गांव मजीठा, तहसील, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बचन मिह पुत्र तेजा मिह 2/3 हिस्मा सोहल मिह पुत्र तेजा मिह 1/3 हिस्मा वासी गांव नाँगन पन्तूआं तहसील, अमृतसर।

(अन्तरितां)

(3) जैसा कि नं० 2 और कोई फिरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अप्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 33 कनाल 16 मर्ले चाहाँ किमम गांव मजीठा में जैसा कि सेल डोड नं० 5860 दिनांक 14-1-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह
मध्यम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-9-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कालिनाथ सापुर्द्द

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती माया बेनार्जी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिसाक 17 जून 1980

निदेश सं० ए० सी०/रेज-2/कल०/19—यत् मुझे,
आई० बी० एस० जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पृच्छात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. ने अधिक हैऔर जिसकी सं० 55ए है तथा जो गोपालपारा रोड स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
28-1-80को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य विश्वास
करने का कारण है कि उपापूर्वक नियमित का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दर्तायत्व में
कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए,
और/या

अनुसूची

(स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में रुचिवा-
धि, लिए,जपीन का परिमाण—2 कट्ठा, 12 छटाक, 18 स्कोयर
फुट, 55 A, गोपालपारा रोड थाना बेहाला, कलकत्ता ।

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेज II, कलकत्ता-16

तारीख: 17-6-1980

मोहर.

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 9th September 1980

No A 32014/2/80 Admn II—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Holl) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Controller (DP) in the Commission's office for the period from 1-9 1980 to 30-11-1980 or until further orders, whichever is earlier—

1 Shri J L Kapur

2 Miss Santosh Handa

The 11th September 1980

No A 32014/1/80-Admn II—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M L Dhawan, a permanent Superintendent (Holl) to officiate on an *ad-hoc* basis as Deputy Controller (DP) in the office of Union Public Service Commission for the period from 1-9 1980 to 30-11 1980, or until further orders, whichever is earlier

The 18th September 1980

No A 12019/1/79 Admn II—Shri K Sundram, Senior P.A. in the office of the Union Public Service Commission is hereby appointed to officiate on *ad-hoc* basis as Special Assistant to Chairman on transfer on deputation with effect from 30-9-80, until further orders

2 Shri K Sundram will be on deputation to the *ex-cadre* post of Special Assistant to Chairman and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M No 10(24) E III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time

S C JAIN
Section Officer,
for Chairman
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th September 1980

No A-19036/9/78 Ad-V—Consequent on the expiry of his term of deputation, the services of Shri S J Sargunar, Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Madras Branch were placed back at the disposal of the Government of Tamil Nadu with effect from 30-5-1980 afternoon after expiry of 30 days earned leave from 1-5-80 to 30-5-80

No A 19036/DSP/80/AD-V—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to promote Shri Mukurdhana Ram, Inspector to officiate as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation on *ad-hoc* basis with effect from 31-12-1979

The 27th September 1980

No A-19036/16/80/AD V—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to promote the following Inspectors to officiate as Deputy Superintendents of Police in CBI

on *ad-hoc* basis from the date mentioned against their names until further orders—

Name & date of promotion

1 Shri S K Dev 6-9-1980 (F N)

2 Shri H M Rizvi 9-9-1980 (F N)

Q L GROVER
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi 110001 the 17th September 1980

No O II-18/77-Estt—Shri K S Bajpai an IPS officer of Madhya Pradesh Cadre on deputation to CRPF as DIG retired from the Govt Service on the afternoon of 31st August 1980

The 24th September 1980

No F 2/64/78-Estt(CRPF)—The President is pleased to appoint Shri Tarun Kumar Sanyal as Assistant Director (Legal) in the Directorate General CRP Force New Delhi in a temporary capacity until further orders

2 Shri Sanyal took over charge on the forenoon of 1st September 1980

K R K PRASAD
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi 19 the 23rd September 1980

No E-38013(3)/9/80 PERS—On transfer to Gorakhpur, Shri D R Lall relinquished the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit, DSP Durgapur w.e.f the afternoon of 1st August, 1980

No E-38013(3)/9/80-PERS—On transfer from Udyogamandal Shri K R C Nair assumed the charge of the post of Asstt Comdt CISF Unit, Tuticorin Port Trust, Tuticorin w.e.f the afternoon of 17th July 1980 vice Shri P P John Alex, who on transfer to Sriharikota relinquished the charge of the said post w.e.f the same date

No E-38013(3)/9/80-PERS—On transfer from Thumba Shri P R Pillai assumed the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit, Salem Steel Plant w.e.f the forenoon of 31st July, 1980 vice Shri P David, Asstt Comdt, who on transfer to Durgapur relinquished the charge of the said post w.e.f the same date

No E-38013(3)/9/80 PERS—On transfer from Donamalai Shri B B Pooviah assumed the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit HEC Ranchi w.e.f the forenoon of 25th August, 1980

No E-38013(3)/9/80-PERS—On transfer from Durgapur Shri A K Sengupta assumed the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit, MPT Madras w.e.f the afternoon of 31st July 80 vice Shri M Bala Krishnan, who on repatriation to TN Police relinquished the charge of the said post w.e.f the same date

No E-38013(3)/9/80 PERS—On transfer from Kalpakkam Shri V Louis Raj assumed the charge of the post of Asstt Comdt, CISF, GP HQs, CISF, Calcutta w.e.f the afternoon of 5th August 1980 vice Shri S K Chakraborty, who on transfer to Visakhapatnam, relinquished the said post w.e.f the same date

No E-38013(3)/9/80-Pers—On transfer from Durgapur, Shri R K Mukherjee assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit HCP Rakha w.e.f. the afternoon of 11th Aug 1980 vice Shri C L Tripathi, who on transfer to Dighaghatah, relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date

No E-38013(3)/9/80-PERS—On transfer from Delhi Shri Y N Khanna assumed the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit IDPL, Rishikesh w.e.f. the afternoon of 1st August, 1980 vice Shri N C Sood, who on transfer to Ahmedabad relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date

No E-38013(3)/9/80-Pers—On transfer from Calcutta, Shri S K Chakraborty assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit HZL Visakhapatnam w.e.f. the afternoon of 16th Aug 1980

No E-38013(3)/9/80-PERS—On transfer from Ahmedabad, Shri Ajit Singh assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, Panna Diamond Mines, Panna w.e.f. the forenoon of 18th August, 1980

No E-38013(3)/9/80 Pers—On transfer from Durgapur, Shri D R Lall assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit FCI Gorakhpur w.e.f. the forenoon of 11th Aug 1980

No F-38013(3)/9/80-Pers—On transfer from Rakha, Shri C L Tripathi assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit FCI (FSD) Dighaghatah w.e.f. the forenoon of 18th Aug 1980

No E-38013(3)/9/80 PERS—On transfer to Kanpur, Shri P R Bhutani relinquished the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit, FCI Gorakhpur w.e.f. the afternoon of 31st July, 1980

No F-38013(3)/9/80 Pers—On transfer from Salem Shri P David assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit DSP Durgapur w.e.f. the forenoon of 16th Aug 1980 /

No E-16013(2)/1/80 PERS—On transfer on deputation Shri G C Lenka, IPS, (Orissa 67) assumed the charge of the post of Comdt, CISF Unit, RSP Rourkela w.e.f. the forenoon of 29th August 1980

No E-38013(3)/9/80-Pers—On transfer from Bhilai, Shri N K Sen assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit, RSP Rourkela, w.e.f. the afternoon of 26th July 1980

No E-38013(3)/9/80-PERS—On transfer from Allahabad Shri Gyanendra Singh assumed the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit, SPM Hoshangabad w.e.f. the forenoon of 20-8-80

No E-38013(3)/9/80-PERS—On transfer from Srinagar, Shri R C Kalia assumed the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit, HEC Ranchi w.e.f. the forenoon of 18th Aug 80 /

No E-38013(3)/9/80-PERS—On transfer from Bhatinda Shri R K Jolly, assumed the charge of the post of Asstt Comdt CISF Unit, HMT Srinagar w.e.f. the forenoon of 4th August 1980 vice Shri R C Kalia who on transfer to Ranchi relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date

No E-38013(3)/9/80-PLRS—On transfer to Delhi, Shri J M Sethi relinquished the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit, BIOP (Dep 14), Khandul, w.e.f. the afternoon of 5th July, 1980

No E-38013(3)/9/80-PERS—On transfer from Hardwar Shri G S Sandhu assumed the charge of the post of Asstt Comdt CISF Unit, BPCL Allahabad w.e.f. the forenoon of 15th July, 1980

No E-16013(2)/1/80-PERS—On transfer on deputation Shri A Ramu, IPS (Orissa 66) assumed the charge of the post of Comdt, CISF Unit, RSP Rourkela w.e.f. the forenoon of 28th August, 1980

No E-38013(3)/9/80-PERS—On transfer to Jaduguda Shri S N Singh relinquished the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit, DSP Durgapur w.e.f. the forenoon of the 28th August 1980

No E-38013(3)/9/80 PERS—On transfer to Rakha, Shri R K Mukherjee relinquished the charge of the post of Asstt Comdt, CISF Unit, HFC Durgapur w.e.f. the forenoon of 1st August, 1980

No E-38013(3)/9/80 Pers—On transfer from Delhi, Shri Chetiam Singh assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit DSP Durgapur w.e.f. the forenoon of 27th Aug 1980

(Sd) ILLEGIBLE
Inspector General CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 22nd September 1980

No 11/37/80Ad I—The President is pleased to appoint, by promotion Shri J S Rastogi, an Investigator in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, and at present working as Research Officer (on deputation) in the Backward classes Commission, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 30th August, 1980 or till the post is filled in, on regular basis, whichever period is shorter

2 The headquarters of Shri Rastogi will be at New Delhi

3 The above mentioned *ad-hoc* promotion will not bestow upon Shri Rastogi any claim to regular promotion to the Grade. The services rendered by him on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above mentioned *ad-hoc* promotion may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor

The 23rd September 1980

No 11/37/80Ad I—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri S S Kashyap, an Investigator in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 19th July, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter

2 The headquarters of Shri Kashyap will be at New Delhi

3 The above-mentioned *ad-hoc* promotion will not bestow upon Shri Kashyap any claim to regular promotion to the Grade. The services rendered by him on *ad-hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* promotion may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor

No 11/44/80Ad I—The President is pleased to appoint, on re-employment, Shri K K Muhammad, an officer belonging to the Kerala Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, for a period of one year, with effect from the 1st July 1980 to the 30th June, 1981

2. His headquarters will be at Calicut.

3. His services may be terminated at any time before 30-6-1981, at the discretion of the appointing authority, without assigning any reason therefor.

The 24th September 1980

No. 6/1/74-RG(Ad.J).—In continuation of this office Notification of even number dated the 6th March, 1980, the President is pleased to extend the period of *ad-hoc* appointment of S/Shri R. N. Talwar and R. L. Puri, Console Operators in the Office of the Registrar General, India, at New Delhi, as Assistant Director (Programme) in the same office, upto the 31st December, 1980, or till the posts are filled in on regular basis, whichever period is shorter, on the existing terms and conditions.

2. The headquarters of S/Shri Talwar and Puri will be at New Delhi.

No. 11/11/80Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Das, an officer belonging to the West Bengal Civil Service; as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 6th September, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Das will be at Silliguri.

No. 11/29/80Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Prabhat Kumar Mohapatra, an officer belonging to the Orissa Administrative Service (Junior Branch), as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Orissa, Cuttack, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 8th September, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Mohapatra will be at Cuttack.

The 25th September 1980

No. 11/15/80Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Anandaram, an officer belonging to the Karnataka Civil Service (Class I Junior Scale), as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 18th August, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Anandaram will be at Bangalore.

The 27th September 1980

No. 11/37/80Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Samsher Singh, Investigator in the Office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same Office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 22nd July, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Singh will be at Jaipur.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Singh any claim for regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (T). The services rendered by him on *ad-hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 23rd September 1980

No. Admn.I/8/32/80-81/223.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri P. V. S. Janardhana Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 16-9-80 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8.132/80-81/223.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri K. V. Chalapathi Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 17-9-80 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. Admn.I/8.132/80-81/223.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri B. Raghunatha Reddy a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 16-9-80 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

(Sd.) ILLEGIBLE
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL - I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 16th September 1980

No. OE.I/261.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent section officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against each:—

S/Shri

1. V. V. Khoche	(02/0261)	27-8-80 Forenoon
2. J. P. Goyal	(02/0262)	25-8-80 Forenoon
3. B. B. L. Saxena	(02/0265)	25-8-80 Forenoon

D. C. SAHOO

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
RAJASTHAN

Jaipur, the 26th September 1980

No. Admn.II/G-Notification/958.—The Accountant General is pleased to promote the following Section Officers of this office and appoint them as officiating Accounts Officers with effect from the date noted against each until further orders:—

S/Shri

1. Babu Lal Sethi	1-9-1980 (FN)
2. Hanuman Pd. Agrawal	1-9-1980 (FN)
3. Vishnu Dutt Rajput	10-9-1980 (FN)

G. C. SRIVASTAVA

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
N. F. RAILWAY

Gauhati-781011, the 20th August 1980

No. 28.—Shri R. P. L. Asthana, a permanent member of S.R.A.S. is promoted to officiate, until further orders, as an Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the date he takes over charge at New Bongaigaon.

D. CHANDRA SHEKHAR
Director of Audit

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 26th September 1980

No. 2712/A-Admn/130/79-80.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri Vijay Pal Singh, substantive member of S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Audit Officer, Defence Services, Jullundur, with effect from 15-9-80 (FN), until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK
Joint Director of Audit, Defence Services.

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 25th September 1980

No. A. 19018/480/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri B. S. Shinde as Assistant Director (Gr.I) (Electrical) at Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 29th August, 1980 until further orders.

No. A-19018/503/80-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri D. D. Misra, Small Industries Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics), Small Industries Service Institute, Admedabad as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) on ad-hoc basis in the same Institute with effect from the forenoon of 1st September, 1980 until further orders.

The 29th September 1980

No. 12/467/61-Admn(G).—Consequent on his reversion from deputation with the Directorate of Industries, Government of Sikkim, Gangtok, as Officer on Special Duty, Shri H. N. De has assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Mech.) in the Small Industries Service Institute, Calcutta, with effect from the forenoon of 8th July, 1980.

No. 12/452/64-Admn (G).—The president is pleased to appoint Shri B. S. Lall, Assistant Director (Gr. II) (Met.) Small Industries Service Institute, Allahabad as Assistant Director (Gr. I) (Met.) on ad-hoc basis at Extension Centre Batala with effect from the forenoon of the 26th July 1980 until further orders.

No. A-19018/502/80-Admn.—The President is pleased to appoint Shri G. R. Subramaniam, Small Industries Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics) Office of Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi as Asstt. Director (Gr. II) (E.L.) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 28-8-80 until further orders.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 20th September 1980

No. A. 17011/182/80.A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri Ish Kumar, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies (Textiles) Bombay to officiate on adhoc basis as Assistant Inspecting Officer (Met) in the office of the Deputy Director of Inspection (Met) Bhilai under Jamshedpur Inspectorate with effect from forenoon of 26-8-80 and until further orders.

No. A 6/247(624)/70.—Shri B. N. Ghoshal, Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of the Director of Inspection, Calcutta retired voluntarily from Government service on the afternoon of 30-8-1980 in terms of rule 48A of the CS(Pension) Rules, 1972.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies &

ADMINISTRATION SECTION A-1

New Delhi-1, the 24th September 1980

No. A-1/1(1106).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Sudhir Ranjan Das, Junior Field Officer in the Directorate of Supplies & Disposals, Calcutta, to officiate on ad-hoc basis as Asstt. Director of Supplies (Grade II) in the same office with effect from the forenoon of 26-8-80.

2. The promotion of Shri Sudhir Ranjan Das as Assistant Director of Supplies (Grade II) is purely temporary and on adhoc basis without prejudice to the rights of officers, otherwise senior to him and will not confer on him any right whatsoever to claim promotion in future on the ground of present officiating arrangements.

No. A-1/1(1155)/80.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri R. C. Jain, Superintendent in the office of the DS&D, Mdras, to officiate on regular basis as Asstt. Director (Admn.) (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 18-8-1980 vice Shri H. N. Samadder, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) reverted to the post of Superintendent.

No. A-1/1(1158)/80.—Shri H. N. Samadder, Asstt. Director (Gr. II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta has reverted to the non-gazetted post of Superintendent with effect from forenoon of 18-8-80.

No. A-1/1(1164).—The President is pleased to appoint Shri Paritosh Ghosh, Junior Field Officer in the office of Director of Supplies & Disposals, Calcutta to officiate as Assistant Director (Lit.) (Gr. I) on ad hoc deputation basis in the same office with effect from the forenoon of 12-8-1980.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 22nd September 1980

No. 7190B/A-19012(3-SNS)/80-19B.—Shri S. N. Sinha, Senior Technical Assistant (Ghem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the G.S.I. on pay according to rules in the scale of pay of

Rs. 650-30 740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of 5-7-80 until further orders

V S KRISHNASWAMY
Director General
Geological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi the 18th September 1980

No 2/38/60-SII—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri N. Bose, Admin Officer All India Radio Ranchi to officiate as Sr Administrative Officer, Doordarshan Kendra Lucknow with effect from 8-9-80

No 29/11/80-SII—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri V. N. Prasad, Farm Radio Reporter All India Radio, Patna to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio Darbhanga with effect from 30-6-80 (FN)

H C JAYAL
Deputy Director of Administration
For Director General

New Delhi, the 22nd September 1980

No 10/6/80 SIII—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Ch. Narasimha Murthy, Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Visakhapatnam with effect from the forenoon of 5th September 1980, until further orders

The 25th September 1980

No 29/1/80-SII—Director General, All India Radio, is hereby to appoint Shri M. P. Shah, Farm Radio Reporter, All India Radio, Bhagalpur to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio Najibabad with effect from 19-6-80

The 27th September 1980

No 10/26/77-SIII—The Director General, All India Radio accepts the resignation of Shri R. K. Khurana from the post of Assistant Engineer, H. P. T., All India Radio, Malad, Bombay with effect from afternoon of 27th August 1980

H N BISWAS
Deputy Director of Administration
For Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING,
PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 22nd September 1980

No A 12025/6/80-Admn I—Director, Publications Division appoint Shri R. B. Singh Asstt Business Manager, Feeder Store, Faridabad to officiate as Business Manager, Sales Emporium, Madras with effect from 1st August, 1980 (FN)

No A 12025/6/80-Admn II—Director, Publications Division is pleased to appoint Shri D. K. Puri, officiating Business Executive to officiate as Asstt Business Manager, vice Shri L. R. Batra promoted as Business Manager from 1-8-80 (FN)

2. This *ad-hoc* appointment will not bestow on Shri Puri claim for regular appointment in the grade of Asstt Business Manager. This service will also not count for the purpose of seniority in that grade

The 27th September 1980

No A-20012/1/70 Admn-I—Director, Publications Division hereby appoints Shri A. K. Das, Business Executive, Sales Emporium, Calcutta to officiate as Asstt Business Manager AIR, Betar Jagat, Calcutta in an officiating capacity, in the scale of pay of Rs. 650-30 740 35-810 EB-35-880-40 1000-EB-40 1200 on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 9th June, 1980

2. This *ad-hoc* appointment shall not bestow upon Shri Das a claim for regular appointment in the grade of Asstt Business Management. This service will also not count for the purpose of seniority in that grade

T C AGARWAL
By Director (Admn)

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 19th September 1980

No A-12026/1/80 Est I—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri B. V. Krishnan, Permanent Asstt Maintenance Engineer to officiate as Maintenance Engineer on *ad-hoc* basis in the Films Division, New Delhi with effect from the forenoon of 16th June, 1980 until further orders

N N SHARMA
Actg Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-110001, the 23rd September 1980

No A 12026/5/80 Est—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri R. K. Tandon as Senior Artist in this Directorate in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 19th September, 1980 vice Shri K. L. Kosha, Senior Artist, granted study leave

J R LIKHI
Deputy Director (Admn)
For Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
(DRUGS SECTION)

New Delhi, the 22nd September 1980

No A 12025/1/80-D—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Koyya Vijayraj to the post of Drugs Inspector in the office of the Deputy Drugs Controller (India), Central Drugs Standard Control Orgn., North Zone, Ghaziabad, on a purely temporary basis, with effect from the afternoon of the 11th August, 1980, and until further orders

S. S. GOTHOSKAR
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services

KRISHI MANTRALAYA

(KRISHI AUR SAHAKARITA VIBHAG)

VISTAR NIDESHALAYA /

New Delhi, the 25th September 1980

No. F.5-50/80-Estt.(I).—Consequent upon the termination of his appointment from the post of Exhibition officer, G.C.S. (Group 'A') Gazetted, Shri S. K. S. Dhariwal, assumed charge of the post of Assistant Exhibition officer (Grade I) in the Directorate of Extension with effect from the forenoon of 1st March, 1980.

K. K. SHARMA
Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 20th September 1980

No. A.19023/28/78-A.II.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Tuticorin, Sh. K. V. Prasada Rao handed over charge of the post of Marketing Officer at Nagpur in the afternoon of 8-8-80.

The 24th September 1980

No. A.39013/1/80-A.III.—Consequent on the acceptance of the resignation tendered by him Sh. S. N. Ray relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Madras with effect from 8-9-80 (FN).

The 27th September 1980

No. A.19023/1/79-A.II.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri S. D. Phadke, who is working as Marketing Officer (Group I) on *ad-hoc* basis, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate on regular basis at Guntur with effect from 26-7-80 (FN) until further orders.

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

Bhabha Atomic Research Centre
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 5th September 1980

No. 5/1/80-Estt.II/4318.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an *ad-hoc* basis as Security Officers for the period shown against their names :—

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri P. Sethumadhavan Asstt. Security Officer	Security Officer	27-5-80 (FN)	25-7-80 (AN)
2.	Shri J.K. Rao Asstt. Security Officer	Security Officer	30-5-80 (FN)	5-7-80 (AN)

The 19th September 1980

No. P-1206/Rcnd/Estt.II/4819.—Addl. Director, Bhabha Atomic Research Centre is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri Kanjibhai Tribhovandas Patel a permanent Scientific Assistant (B) and officiating SO/Engr Grade (SB) in the same Research Centre with effect from 13-3-1980 AN.

KUM. H. B. VIJAYAKAR
Deputy Establishment Officer

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 19th September 1980

No. 1/29/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Anirudha Ray, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same office for the period from 16-4-80 to 21-5-80 and from 16-6-80 to 14-8-80, in Hq. Office, Bombay, against short-term vacancies purely on *ad-hoc* basis.

No. 1/32/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. Nampoothiri, Officiating Technical Assistant, Switching Complex, Bombay as Assistant Engineer in an Officiating capacity in the same office for the period from 1-5-80 to 5-6-80, against short-term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

No. 1/37/80-EST.—Shri G. Venkateswar Reddy, Assistant Engineer, D.T.S. Poona, resigned from Service with effect from the afternoon of the 22nd July, 1980.

No. 1/73/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. S. Malik, Technical Assistant, Bombay Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from 28-4-80 to 13-6-80, against short term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

No. 1/378/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. R. Balachandran, Technical Assistant, Arvi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 14th April, 1980 and until further orders, on regular basis.

The 22nd September 1980

No. 1/257/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. C. D'Lima, perm. Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 1-3-80 to 29-4-80, against short term vacancy, purely on *ad-hoc* basis.

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

Bombay, the 19th September 1980

No. 1/377/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. K. Sapra, Technical Assistant, Ahmed Satellite Earth Station, Lachhivala, Dehra Dun as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 18th June, 1980, until further orders, on regular basis.

No. 1/427/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Kotina Nellayya, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 1st July, 1980 and until further orders, on a regular basis.

The 20th September 1980

No. 1/355/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. Govindarajan, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 28th July, 1980 and until further orders, on a regular basis.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Indore, the 23rd September 1980

No 18/80.—Consequent upon their promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', the following Inspectors of Central Excise (S.G.) have assumed their charges as Superintendent of Central Excise, Group 'B', with effect from the dates as shown against their names.—

S. No.	Name of Officer	Place of Posting	Date of assumption of charge
S/Shri			
1.	S. P. Shukla	Superintendent (Audit) Central Excise, Hqrs Office, Indore.	14-8-80 (F.N.)
2	S. M. Goswami	Superintendent (Tech.) Divisional Office, Ujjain.	29-8-80 (F.N.)
3	G. F. Massey	Superintendent, Central Excise, Amal.	12-8-80 (F.N.)
4	K. B. Lal	Superintendent (Tech.) Divisional Office, Bhopal.	21-8-80 (F.N.)

S. K. DHAR,
Collector

Bombay-I, the 6th September 1980

No St-1/80-81.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1) of Rule 232-A of the Central Excises Rules, 1944, the names and addresses, and other particulars specified in Sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the Court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944, and persons on whom a penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are published as follows :—

I—COURT CASES.

S. No	Name of the persons	Address	The provisions of the Act contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
—NIL—				

II—DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS

S. No.	Names of the persons	Address	Provisions of the Act or Rules made there under contravened.	Amount of penalty imposed	Value of excisable goods adjudged by an officer under Section 33 to be confiscated	Amount of fine in lieu of adjudged by an officer under Section 34 of the Act.
1	2	3	4	5	6	7
1	M/s. Pack side Paper Industries	Metalage Compound, Subhas Road, Jyoteshwari, Bombay-400 060	Rule 173F, Rule 173G (1) read with Rule 9 (1), Rule 173G (2) read with Rule 52A, 173G(4) read with Rule 53 and 226 of the Central Excise Rules, 1944.	Rs 30,000/-	Rs 10,000/-	Rs 2,000/-

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise,
Bombay-I.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 23rd September 1980

No. 23/2/77-EC. II.—The following officers of the Central Public Works Department, on attaining the age of superannuation (58 years), have retired from Government service with effect from the dates noted against each:

S. No.	Name of officer and designation	Date of retirement	Present designation & last station of posting
1	2	3	4
S/Shri			
1.	P. C. Jain, Superintending Engineer (Civil)	30-6-80	S.E. (Vig.) C.P. W.D., New Delhi. (A.N.)
2.	Sida Ram, Executive Engineer (Civil)	30-6-80	E.E. (Civil), P. W. D. Divn. No. XVI (DA), Asif (A.N.) Ali Road, New Delhi.
3.	K. T. Balasubramanian, Executive Engineer (Civil)	30-6-80	E.E. (Val.), Income Tax Department, West Hill, (A.N.) Calicut-673005.
4.	D. R. Adinarayanan, Executive Engineer (Civil)	30-6-80	E.E., Bangalore Central Division No. 2, (A.N.) C.P.W.D., Bangalore.
5.	S. M. Airon, Executive Engineer (Civil)	31-7-80	E.E. (Valuation), Income Tax Department, P. (A.N.) 176, Mangal Marg, Bapu Nagar, Jaipur.
6.	P. de Sousa, Chief Engineer (Civil)	31-8-80	Chief Engineer (S.W.Z.), C.P.W.D., Bombay. (A.N.)
7.	P. A. Solomon, Executive Engineer (Civil)	31-8-80	Valuation Officer, Valuation Cell, Income Tax (A.N.) Department, Cuddapah, Andhra Pradesh
8.	K. C. Agrawal, Superintending Engineer (Civil)	31-8-80	Superintending Engineer Delhi Central Circle No. (A.N.) VI, C.P.W.D., New Delhi.
9.	J. J. Tolani, Executive Engineer (Civil)	31-8-80	Executive Engineer, Central Stores Division No. (A.N.) 2, C.P.W.D., New Delhi.
10.	S. Chakravarty, Executive Engineer (Electrical)	31-8-80	Executive Engineer (Elec.), Electrical Division (A.N.) No. 3, C.P.W.D., Calcutta.

2. Shri S. P. Arora, Executive Engineer (L.F.), C.P.W.D., New Delhi, expired on 19-7-1980.

3. Shri P. Bhaskara Rao, Executive Engineer (Vigilance), C.P.W.D., New Delhi, retired voluntarily with effect from 31-7-1980 (A.N.). Shri L. N. Gautam, S.W., Delhi Central Circle No. III, C.P.W.D., New Delhi, retired voluntarily with effect from 18-8-1980 (A.N.)

JAGDISH PRASAD
Deputy Director of Administration

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 25th September 1980

No. 29/80.—Shri K. C. Sehgal, lately posted as Superintendent Central Excise, Group 'A' in Indore Central Excise Collectorate, on transfer to the Headquarters office of the D.I.A.C.C.E., New Delhi vide Deptt. of Revenue Order No. 110/80/(F.No. A-22012/23/80-Ad.II 3) dt'd. 21st August, 1980, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 17th September, 1980 (A.N.).

K. J. RAMAN
Director of Inspection.

CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan, the 24th September 1980

No. GMA/GS/8(Civil).—Sri M. K. Bhattacharjee, Offg. Asstt. Engineer-III, CLW/Chittaranjan who is holding lien in Class-III service on this Administration is confirmed as Asstt. Engineer in Class-II Service in the cadre of Civil Engineering department of Chittaranjan Locomotive Works with effect from 06-12-78 (FN).

K. RAMAN
General Manager.

FORM ITNS

(1) Sri Saroj Kumar Banerjee

(Transferor)

(2) Smt. Pratima Rani Paul.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-III
 CALCUTTA
 Calcutta, the 10th July 1980

Ref. 717/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 124 situated at Grey Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 4-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that five storied building containing a land area of 3 cottahs 14 chittacks 14 sq. ft. situated at 124, Grey Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range III
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 10-7-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —

(1) Shri Binode Behari Layek.
Barakar, Kulti, Burdwan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sushil Kumar Agarwalla, Kulti, Burdwan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 19th August 1980

Ref. AC-51/Acq.R-IV/Cal./80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Plot No. 2809, 2094, situated at Barakar, Kulti, Burdwan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Asansol on 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 04 Kreimals situated at Barakar, P.S. Kulti, Burdwan more particularly as per deed No. 380 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Subodh Chandra Sen Gupta,
22, Mukhujalara Road, Bhatpara, 24-Parganas.
(Transferor)

(2) Sri Prauale Kumar Roy,
44, Krishnanagar Road, South Barasal, 24-Parganas.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
CALCUTTA

Calcutta, the 19th August 1980

Ref. 52/Acq.R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No 115 situated at Deshbandhu Road, Bhatra, 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 kh with building situated at Deshbandhu Road, Bhatra, 24-Parganas more particularly as per Deed No. 300 of 1980.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-8-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vijay Kumar Kejriwal,
52 Zakaria Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Basanta Roy Samabaya Abas Ltd.
49/1, Hazra Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 29th August 1980

Ref. No. 732/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-22, situated at Raja Basanta Roy Road, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 12-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 6 cottahs 2 chittack 4 sq. ft. together with a one storied building erected thereon at premises No. P-22, Raja Basanta Roy Road *vide* deed No. I-249 dated 12-1-1980 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 29-8-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sachindra Nath Shaw,
147, Vivekananda Road, Calcutta-6.

(Transferor)

(2) Shri Samar Roy,
Smt. Kalapana Roy,
12/1A, Nayan Chand Dutta Street, Calcutta-6.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 29th August 1980

Ref. 733/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/1J, situated at Nayan Chand Dutta Street, Calcutta-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-1-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 cottah 13 chittacks 33 sq. ft. together with three-storied building erected thereon at premises No. 27/1J, Nayan Chand Dutta Street, Calcutta-6, registered before the Registrar of Assurance, Calcutta *vide* deed No. I-333 on 18-1-1980.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 29-8-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Abani Mohan Goswami,
68A Graham Road, Calcutta 40

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Satyajit Bagchi,
24C, Kalighat Road, Calcutta-26

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE III
CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 4th September 1980

Ref 735/Acq R-III/80-81/Cal—Whereas, I, I V S JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 68A, situated at Graham Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 18-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 3 on the first floor of the building situated at 68A, Graham Road, Calcutta

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 4-9-1980
Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Laxmi Narayan Kedia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arun Kumar Jhajharia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA CALCUTTA

Calcutta, the 4th September 1980

Ref. TR-190/C-147/Cal-1/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61 situated at Muktaram Babu Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/8th share in premises No. 61 Muktaram Babu Street, Calcutta, covering land area of 5K 10ch 37 sq. ft. together with building consisting of one front portion and one back portion registered before the Registrar of Assurance, Calcutta, *vide* Deed No. I-374 dated 19-1-1980.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Radha Kishan Kedia.

(Transferor)

(2) Shri Bimal Kumar Jhaskeria.

(Transferee)

(3) Koshi Prasad Jhajheria.

(Person in occupation of the Property)

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 4th September 1980

Ref. St. 545/TR-191/C-148/Cal.-1/79-80.—Whereas, I,

I. V. S. JUNEJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 61, situated at Muktaram Babu St. Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided 1/4th share in premises No. 61, Muktaram Babu St. Calcutta covering land area of 5k-10cli-37 sq. ft. together with building consisting of one front portion and one back portion registered before the Registrar of Assurance, Calcutta *vide* Deed No. I-376 dated 19-1-80.I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—286GI/80

Date : 4-9-1980

Scal :

FORM ITNS

(1) Shri Shew Kumar Kedia.

(Transferor)

(2) Shri Ravindra Kumar Jhajharia.

(Transferee)

(3) Shri Kashi Prasad Jhajharia and Ors.

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

CALCUTTA

Calcutta, the 4th September 1980

Ref. Sl. 546/TR-192/C-149/CAL-1/79-80.—Whereas, I, J. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61, situated at Muktaram Babu Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta 19-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share in premises No. 61, Muktaram Babu St. Calcutta covering land area of 5K—10—37 sq. ft. together with building consisting of one front portion and one back portion registered before the Registrar of Assurance, Calcutta *vide* deed No. I-377 dt. 19-1-1980.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date : 4-9-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Baijnath Kedia.

(Transferor)

(2) Shri Kashi Prosad Jhajheria.

(Transferee)

(3) Kashi Prosad Jhajheria and Ors.

(Persons in occupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

CALCUTTA

Calcutta, the 4th September 1980

Ref. 547, TR-193/C-150/Cal-1/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61, situated at Muktaram Babu Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 19-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided $\frac{1}{4}$ th share in premises No. 61, Muktaram Babu St. Calcutta covering land area of 5k—10—37 sq. ft. together with building consisting of one front portion and one back portion registered before the Registrar of Assurance, Calcutta *vide* deed No. 375 dated 19-1-1980.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 4-9-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Samir Kumar Dutt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Brijnath Sarawgi Smriti Nidhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1980

Ref. 548/TR-202/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/2A, situated at Dr. M. Ishaque Road (formerly Kyd. St.), Calcutta, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in land measuring 8 cottahs 10 chittacks and 24 sq. ft. alongwith building being premises No. 12/2A Dr. M. Ishaque Road (formerly Kyd St.), Calcutta registered *vide* deed No. 470 dated 25-1-80 by Registrar of Assurance, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mihir Kumar Dutt.

(Transferor)

(2) Shri Baijath Sarawgi Smriti Nidhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1980

Ref. 549/TR-203/79-80/Cal.—Whercas, I. I. V. S.

JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12/2A, situated at Dr. M. Ishaque Road (formerly Kyd. St.), Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 25-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in land measuring 8 cottahs 10 chittacks and 24 sq. ft. alongwith building being premises No. 12/2A, Dr. M. Ishaque Road (formerly Kyd. St.), Calcutta registered *vide* deed No. 469 dated 25-1-80 by Registrar of Assurance, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 10-9-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Sudhir Chandra Mitter.

(Transferor)

(2) Sri Laxmi Chand Bhaichand Gaglani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 18th September 1980

Ref. 737/Acq R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 19-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of the house property at 82, Sarat Bose Road, Calcutta containing total area of land one bigha two cottahs.

FORM ITNS

(1) Sri Sisir Kumar Dutta.

(Transferor)

(2) Shri Bajnath Sarawgi Smritinidhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 20th September 1980

Ref. SR-550 'TR-278/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/2A, situated at Dr. M. Ishaque Road (formerly Kyd. Street), Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 2-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd. share in land measuring 8 cottahs 10 Chittacks and 24 sq. ft. along with buildings being premises No. 12/2A, Dr. M. Ishaque Road (formerly Kyd. St.), Calcutta registered before the Registering Authority, Calcutta on 2-1-1980.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Somesh Rai Sahgal.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Rupa Sen.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

CALCUTTA

Calcutta, the 24th September 1980

Ref. 738/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10B (being Flat 'B', 1500 sq. ft.) situated at Ballygunge (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Circular Road, Calcutta-19,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 12-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat 'B' being 1000 sq. ft. at 108, Ballygunge Circular Road, Calcutta-19, registered by the Registrar of Assurances Calcutta *vide* deed No. 250 dated 12-1-1980I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-9-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Smt. Protiva Mitter.

(Transferor)

(2) Shri Y. K. Lakmi Chand Gaglani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 24th September 1980

Ref. 739/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 82 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 14-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share of the house property at 82, Sarat Bose Road, Calcutta containing total area of land one bigha and two cottahs.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 24-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—286GI/80

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Ramkrishna Ashram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,

CALCUTTA

Calcutta, the 25th September 1980

Ref. 551/TR-189/Cal/79-80.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 situated at Puranchand Nahar Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided half share of land measuring 24 Cottahs along with one storeyed shed being premises No. 4 Puranchand Nahar Avenue, Calcutta vide deed No. 302 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta on 16-1-1980.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range J
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-9-1980

Seal :

FORM ITN9

(1) Shri Ramkrishna Ashram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I.
 CALCUTTA

Calcutta, the 25th September 1980

Ref. 552/TR-194/Cal/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at Puranchand Nahar Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Billu Burman.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share of land measuring 24 Cottahs along-with one storeyed shed being premises No. 4 Puranchand Nahar Avenue, Calcutta *vide* deed No. 301 registered by the Registrar of Assurances, Calcutta on 16-1-1980.

I. V. S. JUNEJA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range I
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-9-1980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Roopchand, S/o Swatraj Oswal, A-224, Shastri Nagar, Jodhpur
(Transferor)

(2) Smt Shanti Devi w/o Shri Mangalchand Owswal, Manote, Makrana Mohalla, Jodhpur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1980

Ref No IAC(ACQ)/Raj/80 81/1702—Whereas, I
M L CHAUHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs 25 000/- and bearing
Plot No 224 situated at Jodhpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Jodhpur on 16-1-80
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of house property situated on Plot No 224, Section
4, Section A, Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described
in the sale deed registered by S R Jodhpur vide No 38 dated
16 1-80

M L CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date 19-9-80
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Roopchand, S/o Swatraj Oswal A-224, Shastri Nagar, Jodhpur.
(Transferor)

(2) Shri Mangalchand, S/o Akhechand Manote, Makrana Mohalla, Jodhpur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1)D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1980

Ref No IAC(ACQ)/Raj/80-81/1702—Whereas, I, M L CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 224 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jodhpur on 16-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property situated on Plot No 224, Sec 4, Sector A Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S R, Jodhpur vide No 29 dated 16-1-1980

M L CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 19-9-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Vishwanath Dravid, S/o Shri Shyam Sheo Shastri, No. 1037, Govind Raj Ji Ka Rasta, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri P. N. Lodha, S/o Shri M. M. Lodha, No. 10, Gangwal Park, Jaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1980

Ref. No. IAC (ACQ)/Raj/80-81/1702.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 18, Ganesh Colony, Near Uniara Garden, Moti Dungari Area, Jawaharlal Nehru Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide No. 300 dated 28-1-1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, names :—

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 19-9-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Anil Kumar, S/o Shri Gulabchand Arya,
Near Darwaja, Bharatpur.
(Transferor)

(2) Shri Satish Chand Mittal, S/o Shri Manoharlal
Mittal, Bhusawar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1980

Ref. No. IAC(ACQ)/Raj/80-8-/1702.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.— situated at Bharatpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Bharatpur on 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 4 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house property at Ranjek Nagar, Bharatpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Bharatpur vide No. 207/95 dated 30-1-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 19-9-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Navrattanmal, S/o Mohanlal, Tankon-ka-bas, Pali, Prop: Mohan Engineering Works, Pali.
(Transferor)

(2) M/s Vikas Textiles, Industrial Area, Pali.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1980

Ref. No. IAC(ACQ)Raj/80-81/1702.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shed No. F-86 situated at Pali

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial shed No. F-86, situated at Industrial Area No. 2, Pali and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Pali vide No. 8 dated 30-1-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 19-9-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Smt. Vidya Rani, w/o Shri Pritam Singh Arora,
R/o Sri Ganganagar.
(Transferor)
- (2) Shri Boota Singh, S/o Shri Balwant Singh Jat, Vill.
Nalaingarh, Teh. Sadulshahar, Sri Ganganagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1980

Ref. No. IAC(ACQ)/Raj/80-81/1702—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Chak No 31 situated at Sadulshahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Sadulshahar on 10-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated in Chak No. 31, PTP, Tehsil Sadulshahar, District Sri Ganganagar and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Sadulshahar vide No. 1445 dated 10-1-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 19-9-80

Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
18—286GI/80

FORM ITNS—

(1) Smt. Vidya Rani, w/o Shri Pritam Singh Arora,
R/o Sri Ganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Boota Singh, S/o Shri Balwant Singh Jat, Vill-
age Naraingarh, Teh. Sadulshahar, Sri Ganganagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

JAIPUR

Jaipur, the 19th September 1980

Ref. No. IAC(ACQ)/Raj/80-81/1702—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Chak No. 31PTD situated at Sadulshahar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sadulshahar on 10-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land situated in Chak No. 31, PTP, Teh. Sadulshahar, Distt. Sri Ganganagar and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Sadulshahar vide No. 1444 dated 10-1-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 19-9-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

JAIPUR

Jaipur, the 25th September 1980

Ref. No. IAC(ACQ)/Raj/80-81/1903.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 19-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shivlal Pungaliya Advocate, Receiver in Ins. case No. 1/68 Court of Additional Distt. & Sessions Judge, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Shivlal S/o Dhanraj Goyal, Rakhi House, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Light Industrial area, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur, vide Registration No. 646 dated 19-1-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-9-80.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 25th September 1880

Ref. No. IAC(ACQ)/Raj/80-81/1703.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Residential Plot situated at Ajmer and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ajmer on 9-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Shree Lal Kavadia S/o Shri Kundanmal ji Kavadia, Naya Bazar, Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Sys. Vishram Bhai Patel S/o Jassa Bhai & Ramji Bhai, Ravji Bhai & Manji Bhai sons of Vishramji Bhai Patel Niwasi Raipur Distt. Bhung (Gujarat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 1033 sq metre, situated at Nasirabad Road, Adrashnagar, Ajmer & more fully described in the sale deed registered by S.R. Ajmer vide Registration No. 3239 dated 9-1-80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-9-80.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur the 25th September 1980

(1) Smt Di Sarla Bagh Wd/o Late Di M I Bagh
Selt and G P A holder Smt Mahadevi Sisodia, Smt
Manjudatta & Nalini Joshi & Arunsingh D/o Late
Di M I Bagh Bagh Cottage Jupur Road, Ajmer
(Transferor)(2) Shri Ganga Lalaji S/o Suwalalji Shaima Bandikui
& Shri Ramchandia S/o Shri Suryanarainji Mishra,
Dausa
(Transferee)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

Ref No IAC/(Acq)/Raj/80 81, 1703—Whereas I,
M I CHAUHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25000/-
and bearing

Open Plot situated at Ajmer

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ajmer on 5-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property is aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(b) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Open Plot measuring 600 sq yd situated at Lohngal Road,
Ajmer & more fully described in the sale deed registered by
S R Ajmer vide Registration No 250 dated 5-3-80

M L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date 25-9-80
Seal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR.

Jaipur, the 25th September 1980

Ref. No. IAC(Acq)/Raj/80-81/1903.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 43 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Sarda Ben, Shashi Kant & Hemlata Niwas U.S.A. General Power of Attorney, Shri Bapu Bhai Desai, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri S. L. Chaudhari, Lecturare Engineering College Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Part of Plot No. 43 situated at P.W.D. Colony, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide Registration No. 58 dated 18-1-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 25-9-80
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sharda Ben, Shashi Kant & Hemlata Niwas U.S.A., General Power of Attorney Shri Bapu Bhai Desai, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Chandan Mal Vcd S/o Dan Mal Ved C/o Minerwa Cinema, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 25th September 1980

Ref. No. IAC(Acq)/Raj/80-81/1703.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 43 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 43 situated at P.W.D. Colony, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide Registration No. 59 dated 18-1-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-9-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Sharda Ben, Shashi Kant & Hemlata Niwas U.S.A., General Power of Attorney Shri Bapu Bhai Desai, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Megh Raj S/o Danmal C/o Minerwa Cinema, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
JAIPUR.

Jaipur, the 25th September 1980

Ref. No. IAC(Acq)/Raj/80-81/1703.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 43 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 43 situated at P.W.D. Colony, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur vide Registration No. 60 dated 18-1-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 25-9-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 19th September 1980

Ref. No. IAC(Acq)/Raj/80 81/1703.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

J-226 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Vijaya Kant & Raj Kumar, Sons of Jandasmal, Plot No J-227, Adarsh Nagar, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Smt. Sheela Devi, w/o Shri Kamal Chand, Plot No. J-226, Fateh Tiba Colony, Deepak Marg, Adarsh Nagar, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing Plot No. J-226, Deepak Marg, Fateh Tiba, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Jaipur vide No. 654 dated 10-1-1980.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19-286GI/80

Date : 25-9-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Shantidevi W/o Shri Umaraomal Tikiwal,
Tikiwalon, ka rasta, Jaipur.
(Transferor)

(2) Smt. Baljit Kaur, w/o Shri Ajit Singh, B-68, Tilaknagar and Desraj Chawala, S/o Late Bishandas, House No. 16, Ramgali, Adarsh Nagar, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 29th September 1980

Ref. No. IAC(Acq.)/Raj/80-81/1714.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Godown No. 8 situated at Jaipur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Godown No. 8, Transport Nagar, Agra Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide No. 48 dated 27-1-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-9-80.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Satyawati, (2) Shri Raghuvir Singh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st September 1980

Ref. No. G.I.R. No A-84/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No A-Block-S measuring 358.10 sq. yds. situated at 35, Rampur Garden, Civil Lines, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 11-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Shri Atun Kumar Bhan, 2. Shri Girish Kumar Bhan.
(Transferee)(3) Above sellers.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-Block-S, measuring 358.10 sq. yds. situated at 35, Rampur Garden, Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the form 37 G. No. 907/80 dated the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 11-3-80.

A. S. BISEN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 1-9-1980
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Lakshmin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Diwakar Shukla.

(Transferee)

(3) Purchaser.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th September 1980

Ref. No. GIR No. D-37/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

115-SA Hashapur, 5444 Sq. ft. situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Lucknow on 12-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land Aarazi No. 115-SA measuring 5444 sq. ft. situated at HASNAPUR, LUCKNOW (Freehold) and all that description of the property which is mentioned in Form 37-C No. 880 of 80 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 12-2-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance in section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10 9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lakshmin.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Shukla.

(Transferee)

(3) Purchaser.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

LUCKNOW

Lucknow, the 10th September 1980

Ref. No. GIR No. A-85/Acq.—Whereas, I,

A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

115-SA, HASNAPUR measuring 5444 Sq. ft. situated at Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Lucknow 12-2-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Freehold land Aarazi No. 115-SA measuring 5444 sq. ft. situate at HASNAPUR, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 879 of 1980 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 12-2-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.Date : 10-9-1980
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Mrs Daizy A Denial,
Daizy Niwas, Hindee Colony,
Dadar, Bombay-14

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dunubhai Ambalal Patel,
Karta & Manager of
Dunubhai Ambalal Patel (HUF),
15, Sadhana Colony, Opp. Stadium,
Navrangpura, Ahmedabad 9

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I,
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad 380009, the 18th September 1980

Ref No PR No 1178 Acq 231/80 81—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No S No 4093/18/1 of Shahpur Ward No II, situated at Shahpur Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19/1/1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 139.63 sq. metres bearing S No 4093/18/1 of Shahpur Ward No II, situated at Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn No 1522 dated 19-1-1980

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad-380009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 18-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs Daizy A Denial,
Daizy Niwas, Hindce Colony,
Dada, Bombay 14

(Transferor)

(2) Dnubhai A Patel,
Karta of Dnubhai A Patel (HUF),
15, Sadhana Colony, Opp Stadium
Navrangpura Ahmedabad-9

(Transfeee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad 38009 the 18th September 1980

Ref No PR 1177 Acq 23 1/80-81—Whereas, I, MANGI LAL,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs 25000/- and bearing No
S No 4093/18/2 of Shahpur No II,
situated at Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 28-1-1980 for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 192 30 sq mts
bearing S No 4093/18/2 of Shahpur Ward No II, situated
at Shahpur, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed
registered vide Registration No 2069 dated 28 1 80

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transfeee for the pur
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad-380009

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 18 9-1980
Seal :

Form ITNS—

- (1) Shri Ghanshyambhai Chandrashanker Diwedi;
24, Dhanlaxmi Society, Ghanshyam Villa,
Maninagar, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Narayanmani Apartments Cooperative Housing
Society Ltd., Khokhra Mehmabad,
Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 18th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1176 Acq.23-1/80-81.—Whereas, I,
MANGI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
F.P. No. 137-B (Part—Eastern side) of TPS No. 4
situated at Khokhra Mehmabad, Ahmedabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 7-1-1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 536 sq. yds. bearing
F.P.No. 137/B of (part of eastern side) TPS. 4 situated at
Khokhra—Mehmedabad, Ahmedabad and as fully described
in the sale-deed registered vide Registration No. 1082 dated
7-1-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad-380009.

Date : 18-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-38000

Ahmedabad-380009, the 18th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1175 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 137-B (Part—Western side) of TPS No. 4 situated at Khokhra Mehmabad, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mahendra Kumar Chandrashanker Diwedi; 24, Dhanlaxmi Society, Ghanshyam Villa, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Narayanmani Apartments Cooperative Housing Society Ltd., Khokhra Mehmabad, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

An open plot of land admeasuring 536 sq. yds. bearing F.P. No. 137/B of (part of Western side) TPS. 4 situated at Khokhra—Mehmabad, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 1083 dated 7-1-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad-380009.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
20—286GI/80

Date : 18-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ravindra P. Patel,
23, Sector 4, Gandhidham-Kutch.
(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Chhotabhai Patel;
Director :
M/s. Hardik Hotel Pvt. Ltd.,
Oslo Compound, Gandhidham-Kutch.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 18th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1174 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 29, in Sector No. 9, situated at Kandla Port Trust, Gandhidham-Kutch (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Anjar on 30-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admesuring 853.38 sq. yards bearing plot No. 29 in Sector No. 9 of Kandla Port Trust, situated at Gandhidham-Kutch, and as stated in the sale-deed registered vide Regn. No. 173-74 dated 30-1-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ravindra P. Patel;
23, Sector 4, Gandhidham-Kutch.
(Transferor)
- (2) Shri Chandrakant Chhotabhai Patel;
Director :
M/s. Hardik Hotels Pvt. Ltd.,
Oeso Compound, Gandhidham-Kutch.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 18th September 1980

Ref. No. P.R. No. 1173 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 30, in Sector No. 9, situated at Kandla Port Trust, Gandhidham-Kutch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anjar on 30-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 833.33 sq. yards in Sector No. 9 of Kandla Port Trust, situated at Gandhidham-Kutch, and fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 175-76 dated 30-1-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax.
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dato : 18-9-1980
Seal :

FORM ITEN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
Bhopal

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1705.—Whereas, I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 17 (House) situated at Satna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satna on 8-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Nandkishore Jaiswal
S/o Shri Ram Kishan Jaiswal,
R/o Satna.

(Transferor)

(3) (1) Shri Naval Kishore Jaiswal
S/o Shri Ram Kishan Jaiswal
(2) Shri Sureshkumar Jaiswal
S/o Ramkishan Jaiswal
Both R/o Satna, Lalta Chowk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated at Lalta Chowk, Satna.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM NO. ITNS

(1) (1) Shri Harikisan S/o Shri Gyanchandji Jetwani
 (2) Naram S/o Shri Gyanchandji Jetwani
 (Transferor)

(2) (1) Shri Suresh Kumar S/o Surajmal Mehta
 (2) Mrs Sarla Devi W/o Suresh Kumar Mehta
 (3) Mr Satish Kumar S/o Surajmal Mehta
 (4) Mrs Asha Devi W/o Satish Kumar Mehta
 R/o 27/1, Dr Roshansingh Bhandari Marg,
 Indore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
Bhopal M P

Bhopal, the 8th September 1980

Ref No IAC/ACQ/BPL/80 81/1712—Whereas I,

VIJAY MATHUR

being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Part of House at MG Road situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 21-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Portion of House No 512, situated at MG Road, Indore

VIJAY MATHUR,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 8-9-1980
 Seal

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Bhuralal Veerji Rawal,
6/7, New Palasia, 2, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

(2) 1. G. L. Choukse
2. U. K. Choukse
3. Smt. Shanta Rai Choukse,
6/7, New Palasia, Indore.

(Transferee)

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1712.—Whereas, I,
VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at New Palasia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 23-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 6/7, New Palasia, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ratan Bai W/o Tulsiram Khandelwal
415, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Sushila Devi W/o Shri Ranchhod Prasad Gancriwal,
218, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1713.—Whereas, I,
VIJAY, MATHUR,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
at Indore 29-1-80.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at Indore 29-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 2, Street No. 3, New Palasia, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shiv Prakash Kathuria,
5/3, New Palasia, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1716.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at New Palasia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Krishna S/o Idandas Khatwani.
2. Smt. Sushila W/o Krishna Khatwani.
3. Shri Shyam S/o Krishna Khatwani.
4. Shri Jagdish S/o Krishna Khatwani.
All R/o 5/3, New Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated at 5/3, New Palasia, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 8-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) 1. Shri Ramgopal S/o Laxminarayan,
27, Janki Nagar, Indore.
2. Girdharilal S/o Laxminarayan,
51, Kalali Mohall, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ganga Bishan
2. Hukamchand S/o Champalal Bajaj,
147, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1714.—Whereas, I,
VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at 147 Jaora Compound (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 11-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 147, situated at Jaora Compound, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—286 GI/80

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Leela Bai Wd/o Shri Mishri Lalji Lashkari
Dhan Mandi, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Saifuddin S/o Shri Khakhasla Bohara,
Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1716.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, Ward No. 14, situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 23-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 8, Ward No. 14, Freeganj., Ratlam.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/80-81/1717.—Whereas I, Vijay Mathur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. G. Road, Ratlam situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 15-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) Smt. Ratan Bai Wd/o Surajmal Bhora (2) Sri Babulal S/o Surajmal Bhora. (3) Anthim Kumar S/o Anokhilal (4) Smt. Prathibhakumari. (5) Master: Vikas Kumar, S/o Vijendra Kumar. (6) Master Arun Kumar (7) Shri Ramelalji S/o Surajmal Bhora. All resident of Gas Bazar, Ratlam.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Dhan Laxmi Bai Wd/o Seth Dwarkadas. (2) Shri Umesh Kumar S/o Dwarkadas. (3) Smt. Nena, (4) Kum. Meena (5) Kum. Nithi Ds/o Shri, Dwarkadas, All R/o M. G. Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 71 at M.G. Road, Ratlam.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-9-1980

Seal :

FORM TTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/BPL/80-81/1718.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land & house situated at Bawadia, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 2-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Laxminarayan S/o Mohanlal (2) Rajendra-kumar S/o Laxminarayan (3) Radhakishanji S/o Ram Ratanji, All Trustees of Ram Mandir Bajrangpur, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Narendrakumar, S/o Bansidharji, 96, Gopal Mandir Marg, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and house land survey No. 54, 56, 57, 58, 59 & 60 lies on Bombay-Agra Road, Dewas, village Bawadia.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Gopal Rao Shridharrao Chandurkar, 99,
Ravindra Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI /80-81/1719.—Whereas I, VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House, 99, Ravindra Nagar situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Kaluram Sukhlal Vinikar, Advocate, Dhar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :——The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1st & 2nd Floor of House No. 99, Ravindranagar, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-9-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Gopalrao S/o Shridharrao Chandorkar, 99, Ravindranagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Krishnabai W/o Shivnarayan Billore, C/o Dr. O. P. Billore, Rotary Eye Hospital, Navsari, Gujarat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1720.—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Portion), 99, Ravindra Nagar, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-1-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground Floor of House No. 99, Ravindranagar, Indore

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-9-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.I.N.S.—

(1) Shri Gulabchand S/o Chhotelal Dewangan, Mouza Champa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Hiralal (2) Mohanlal S/o Chhotelal Dewangan of Mauza Champa, C/o Kosa Bhavan, Power House Road, Korba.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1721.—Whereas I, **VIJAY MATHUR** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Main Road, Korba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17th January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at Main Road, Korba.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 8-9-80
Seal .

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Girdharilal Chouksey S/o Shriram Chouksey, N-10, Sakete Nagur, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushma Chouksey W/o Shri Nitya Gopal Chouksey, 1110, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1722.—Whereas I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House, situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 29-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

One house and a plot situated at Napier Town, Jabalpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 8-9-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Kaushalya Devi W/o Dr Mohan Prasad Upadhyaya (ii) Dr Mohan Prasad Upadhyaya, R/o 526, Bhartpur Jabalpur
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) (1) Shri Mohanlal Chourasia S/o Shri Bachanlal
(2) Smt Kamla Bai W/o Mohanlal Chourasia, R/o 526 Phuta Tal Surafa Ward, Jabalpur
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M P

Bhopal the 8th September 1980

Ref No IAC/ACQ/BPL/80-81 1723—Whereas I
VIJAY MATHUR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No House situated at Phuta Tal, Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer
at Jabalpur on 1st January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any money or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house situated at Phuta Tal, Jabalpur

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely —

22-286GI/80

Date 8 9 80
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Ramcharan S/o Shri Kanahiyi Batham, Dabra, Distt. Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1725.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Dabra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 15-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land at Bujung, Dabra Khasra No.			
343/2	347 Miz	348/1349/1	354/2 Miz
3 Biswa	1 Biswa	4.2 Biswa	5 B-16 B
N. 355	1-B-2	356/1	
			Total Pakka 6—B15

VIJAY MATHUR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 16-9-80
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Nenumil S/o Dhavardas Sindhi, Geeta Colony, Ujjain
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal the 16th September 1980

Ref No IAC ACQ/BPL/80 81/1724—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No House, situated at Geeta Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 4.1.80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) (1) Shri Sunderlal (2) Phoolchand (3) Rameshchand Ali S/o Govindramji (4) Maheshchand S/o Govindram, Sardarpura, Ujjain
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

House No 11 situated at Geeta Colony, 'Modi ke Chopda', Ujjain

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 16-9-80
Seal.

FORM ITNS

(1) Shri Nandial S/o Shri Mansingh Chopra, Gas Bazar, Ratlam.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdullah S/o Mohsin Ali, Hajrat Bohra,
Chandani Chowk, Ratlam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th September 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1726.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Motor Stand, Ratlam (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 24-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated Bajna-Motor Stand, Ratlam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 16-9-80
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Anandpur Trust, Ashok Nagar, Distt. Guna.

(Transferor)

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramswaroop Gulati S/o Shri Kherthilalji Gulati, (2) Smt. Vimal Gulati W/o Ramswaroop Gulati, Pathankar Bazar, Lashkar, Gwalior.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1728.—Whereas I, VIJAY MATHUR,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Moti Mahal, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 28-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. 26/44 (New) situated near Mahalgao Railway Bridge, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-80
Seal :

Form ITNS

(1) Shri Anandpur Trust, Ashok Nagar, Guna.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1730.—Whereas I, VIJAY MATHUR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Moti Mahal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gwalior on 28-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Kherathilal Gulati (2) Smt. Rajrani W/o Shri Kherathilal Gulati, R/o Pathankat Bazar, Jashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. 26/44 (New) situated near Mahalao Railway Bridge, Moti Mahal, Gwalior.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-80
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Anandpur Trust, Ashok Nagar, Guna.
(Transferor)
- (2) Shri Shyam Sunder Gulati S/o Kheratilal Gulati 2.
Smt. Kamal Gulati, W/o Shri Shyamsunderji
Gulati, Pathankar Bazar, Lashkar, Gwalior.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 16th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/80-81/1729.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Moti Mahal, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 28-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of house No. 26/44 (New) situated near Mahalgao Railway Bridge, Gwalior.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-9-80.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ratanlal S/o Kasturchandji, Building No. 5/5, Mahesn Nagar, Indore.
(Transferor)

(2) Shri Nazar Hussain S/o Shri Mohammad Hussain, 61, Normal School Road, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.

Bhopal, the 16th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/80-81/1731.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Labriya Bheru Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 23-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House situated at 123, Labriya Bheru Road, Indore.

VIIAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-9-80.
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Jogendra Singh S/o Sardar Sadhu Singh,
Gandhi Nagar Colony, Gwalior.
(Transferor)

(2) Shri Sheela Bhadaria W/o Shri M. S. Badhoria &
Pushpa Bhadaria W/o Shri Bhanu Pratap Singh
Badarai, Village, Gaddi Teh. Mehgaon, Bhind.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

Bhopal M.P.

Bhopal, the 17th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1732.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Gandhi Nagar Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 14-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 27, Gandhinagar Colony, Gwalior.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—286GI/80

Date : 17-9-80.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th September 1980

Ref. No IAC/ACQ/BPL/80-81/1733.—Whereas, I,
VIJAY MATHUR,being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingAgriculture land situated at Batlam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ratlam on 29-1-80.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(1) Shri Bashir Khan S/o Mohd. Khan 2. Mohd. Aziz
Khan S/o Bashir Khan, Selanaward, Ratlam 3. Afzil
Hussain S/o Nishai Hussain, 'Hat Ki Chowki'
Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Sahid S/o Mohd Shafi 2. Jamil Ahmad
S/o Mohd. Saif Muselman, Station Road, Ratlam
3. Haggat Pd., S/o Kanhayalalji Luhar 4. Jitendra
Kumar S/o Hiralalji Shah 5. Hukumchand S/o
Hiralalji & 6. Sushikumar S/o Hiralalji 7. Rajendra
Verma S/o Kanhayalalji, New Railway Colony,
Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land survey No. 49, 73, Ratlam.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 17-9-80.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Gulabchand S/o Ramchandran Verma, 122, Palsikar Colony, Indore C/o Laxmandas S/o Ochiramji, 18, Palsikar Colony, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1735.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

House, situated at Sadhu Nagar, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Jaishree W/o Shri Ramchandran, 29, Sadhu Nagar, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 29 at Sadhunagar, Indore.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28—276GT/80

Date : 17-9-80.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpa W/o Brijal Talraja, 51, Idgah Hills,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shreechand S/o Shri Parpeomal, Lalwani Bhavan, Shahjahanabad, Bhopal.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1736.—Whereas, I,

VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jamalpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhopal on 1-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House at Plot No. 69, D-Sector, Jamalpura, Bhopal.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following

Date : 17-9-80.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Maheshkumar S/o Kunjilal Kanungo 2. Shri Rajankumar and Shri Arunkumar S/o Shri Maheschand Kanungo, Jawaharganj, Khandwa.
(Transferor)

(2) Adarsh Pariwar Grah Nirman Sabkari Samiti Ltd. Khandwa through Shri Kishorilal S/o Shri Kalu Ram Sharma President, Bhagat Singh Chowk, Khandwa.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.

Bhopal, the 17th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1737.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khandwa on 21-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land on the road named Khandwa Jawar Road, Khandwa (Khasara No. 26 old and 44 New).

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-80.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hariram S/o Nagagi, Village : Mangalia,
Teh : Sanwar, Distt : Indore.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

(2) M/s. Central Abra Stores, Pvt. Ltd.,
3/1, Mnoram Ganj, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1738.—Whereas I,

VIJAY MATHUR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. Agricultural land situated at Mangalia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 5-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Agricultural land Kastha No. 31 at village-Mangalia.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 18-9-80.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hariram S/o Nagaji, Village : Mangalia,
Teh : Sanwar, Distt : Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Central Abra Stores, Pvt. Ltd.,
3/1, Manorama Ganj, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.
Bhopal, the 18th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1739.—Whereas I,
VIJAY MATHUR
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Mangalia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Agricultural land Khasra No. 31 at village, Mangalia.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 18-9-80
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Vaibhav Sahakari Grah Nirman Sanshita,
2, Udaipura, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss. Sandrao D/o Shri Kennath Nadir Poddar,
4, Manorama Ganj, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1740.—Whereas I,

VIJAY MATHUR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Khajrana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 30-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 1, Gultmaha, Khajrana, Indore.

VIIAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-9-80
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Vaibhav Sahkari Grah Niyan Sanshtha,
2, Udaipura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Jagdishchandra Kanruja
S/o Shri Bhaichandra Kanruja
108, Vallabh Nagar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPT/80-81/1742.—Whereas I,
VIJAY MATHUR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Khajrana
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Indore on 30-1-80

for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 40 Gulmohar, Khajrana, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

24-286GI/80

Date : 18-9-80
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Vaibhav Sahkari Grah Nirman Sanshtha,
2, Udaipura, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Kitnu S/o Shri Gujwa Poojari Kotvan,
4, Manoramaganj, Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th September 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1741.—Whereas I,
VIJAY MATHUR,
being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Khajrana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 30-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Gulmohar, Khajrana, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 18-9-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) M/s. Vaibhav Sabkari Grah Nirman Sanshtha,
2, Udaipura, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Hamir Singh S/o Shri Daulatramji,
6/7 Mahesh Nagar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th September 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 37 "Gulmohar" 'Khajrana, Indore.

VIJAY MATHUR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, BhopalDate : 18-9-80
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Devi Dayal S/o Sh. Sita Ram,
R/O Shahbad,

(Transferor)

(2) M/s. Krishna Solvent Industries Pvt. Ltd.
Shahbad Head office at 504-Alipur,
Delhi-36.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th September 1980

Ref. No. 1SR/15/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 16 kanals and 1 marla situated at Village Ravi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Thanesar in January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 16 kanals 1 marla situated at Village Ravi and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 4663 dated 25-1-1980 with the Sub Registrar, Thanesar.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1980

Ref. No. RTK/13/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 14,

situated at D. L. F. Colony, Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dhanwanti Widow,
(2) S/Sh. Harbans Lal, Advocate, Harish Kumar sons of Shri Savan Mal Sehgal, R/O 1-C/38, New Rohtak Road, Delhi. (Transferor)

(2) S/Sh. Balwant Singh, Balwan Singh, Baljit Singh, Jagdish Singh sons of Shri Surjan Singh Jat, Vill. Kharenti Teh. Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 14 situated at D. L. F. Colony, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2461 dated 20-8-1980 with the Sub Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK.

Rohtak, the 18th September 1980

Ref. No. ATK/12/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 15, situated at D. L. F. Colony, Rohtak. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Dhanwanti Widow,
(2) Sh. Harbans Lal, Advocate,
Sh. Harish Kumar sons of Sh. Sawan Mal Schgal
R/o 1-C/38, New Rohtak Road, Delhi.
(Transferor)

S/Shri

(1) Kuldeep Singh Vijender Singh sons
of Shri Nafe Singh.
(2) Sh. Shamsher Singh S/o Sh. Bara Singh
(3) Sh. Permjeet S/o Zile Singh Jat,
R/o Vill. Khanreti Teh. Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 15 situated at D. L. F. Colony, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2460 dated 20-8-1980 with the Sub Registrar, Rohtak

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 18-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Risal Singh S/o Sh. Sher Singh
537, D. L. F. Colony, Rohtak

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. P. Arya, Executive Engineer 'OP'
Division, H. S. F. B., Sirsa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1980

Ref. No. RTK/4/80-81—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 61 ward No. 20 House No. 647 Near Main Chowk, DLF Colony, situated at Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being plot No. 61 ward 20, House No. 647 near main chowk, DLF Colony, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 413 22-4-1980.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-9-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 19th September 1980

Ref. No. DLI/19/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. B/81-Block-H, N. H. II, N. I. T., situated at Faridabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sardar Lal Chopra S/o Shri Gulab Rai Chopra, C-2/C (Pocket-2) Flat No. 196, Janakpuri New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Ganesh Dass Gera S/o Sh. Khan Chand Gera, 2 H/16 NIT, Faridabad (Hariana) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property being Plot No. B/81 Block-H, NH-II, NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 133 dated 25-2-1980 with the Sub Registrar, Delhi.

G. S. GOPALA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-1-9980
 Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Hari Pal S/o
Sh. Karam Chand
R/o Nakodar
Distt. Jullunder

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kailash Chand S/o
Shri Ratan Mal
R/o 3 A-Green Park, Extension,
New Delhi-16.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st October 1980

Ref. No. GRG/31/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 54 kanal 2 marla situated at Vill. Choma Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 54 kanals 3 marla situated at village Choma Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3808 dated 24-1-1980, with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—286GI/80

Date : 1-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manohar Lal S/o Shri Sankar Dass,
R/o Nai Basti Nakodar Distt. Jullundur,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st October 1980

Ref. No. GRG/32/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 54 kanal two marlas situated at Vill. Choma Teh. Gurgaon. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Santosh Devi W/o
Shri Kailash Chand,
R/o R-S-12, Kotla Mubarakpur
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property being land measuring 54 kanal 2 marlas situated at Village Choma Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3809 dated 24-1-1980 with the Sub Registrar, Gurgaon.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-10-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gur Dayal S/o Shri Bhag Mal
R/o Jullunder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak the 1st October 1980

Ref. No GRG/33/79-80.—Whereas, I, G S GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 and measuring 54 Kanal 2 marla situated at Vill. Choma Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Jan 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt Santosh Devi W/o
Shri Kailash Chand,
R/o R-S-12, Kotla Mubarakpur,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 54 kanal 2 marla situated at Village Choma Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3810 dated 24-1-1980.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 1-10-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 20th September 1980

Ref. No. BGR/30/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanal 18½ marlas situated at Ballabgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Savatantar Kumar S/o Sh. Brij Raj Singh
C/o Shri Brij Raj Singh, R/o Ballabgarh.
(Transferor)

(2) S/Sh. Smt.
1. Murti Devi W/o Om Parkash
2. Jai Chand S/o Shri Shri Chand
3. Saroj Rani W/o Shri Gian Chand
4. Parmod S/o Sh. Siri Chand
5. Shukuntla D/o Lachhman Dass
6. Gianwanti W/o Dev Raj
7. Baldev Raj S/o Kishan Chand
8. Indra Kaushik W/o Mahesh Chand
9. Satender Kumar S/o Mehar Chand
10. Vinay Kumar
11. Dharampal S/o Nand Lal
12. Krishan Gopal S/o Nand Lal
13. Shanta Juneja D/o Hari Chand
14. Puran Chand S/o Kishan Chand
15. Kishan Chand S/o Sh. Khan Chand
16. Mange Ram S/o Lakhi Ram
17. Suresh Kumar S/o Ram Narain
18. Hoshiar Singh S/o Sh. Sant Ram R/o Ballabgarh.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 kanal 18½ marlas situated at Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4990 dated 17-7-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 20-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak the 30th September 1980

Ref No. BGR/32/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanals 18½ marlas situated at Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh

in April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Parduman Singh S/o Sh. Brij Raj Singh S/o Sh. Dalip Singh R/o Brahmin Ward-I, Ballabgarh.

(Transferor)

(2) S/Shri/Smt.

- 1 Mange Ram S/o Jankhi Ram, Mukesh Colony, Ballabgarh.
- 2 Bimla Juneja W/o Gurdutt Juneja, Jagdish Colony, Ballabgarh
- 3 Om Parkash S/o Babu Ram, Ballabgarh.
- 4 Satish Kumar S/o Giashi Ram, Nosera.
- 5 Habbagwan S/o Piladha Ram, Ballabgarh.
- 6 Pirbhu Dayal S/o Sukhram, Kosikalan
- 7 Subhash Chand S/o Hari Chand, Mukesh Colony, Ballabgarh
- 8 Om Parkash S/o Piladha Ram, Ballabgarh.
- 9 Laxmi Devi W/o Om Parkash, Mukesh Colony, Ballabgarh.
- 10 Puran Chand S/o Kishan Chand, Ballabgarh.
- 11 Sushma Sharma D/o R. K. Sharma, Ballabgarh.
- 12 Baldev Raj Juneja S/o Kishan Chand, Ballabgarh.
- 13 Shanta Kumari D/o Hari Chand, Delhi.
- 14 Shiv Narain S/o Nathavu Singh, Palli.
- 15 Shivram S/o Chothu Ram, Bharat Pur.
- 16 Ved Parkash S/o Roshan Lal S/o Chothu Ram, Bharatpur.
- 17 Rajvir Singh S/o Tophu Singh, Parsol (Bullandsahar) & Hira Lal S/o Sukha Ram, Matpura (Bullandsahar).
- 18 Iado Devi W/o Tikam Singh, Niloni Mirzapur (Sikandrabad).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 kanals 18½ marlas situated at Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. dated 9-4-80 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-9-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Shri Karam Chand s/o Galodu Ram r/o Bazar Karmon Deori Kucha Acharjan Amritsar
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1980

Ref No ASR/80-81/119—Whereas, I ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No One property in Br Karmon Deori situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- (2) Shri Ram Murti Khanna s/o Sh Harya Mal & Sh Raj Kumar Khanna s/o Sh Ram Murti Khanna & Smt Kamla Khanna w/o Sh Ram Murti Khanna Smt Rita Khanna w/o Sh Suresh Kumar Khanna r/o 350 Shastri Nagar, Amritsar
(3) As at Sl No 2 and tenant(s) if any, Sh Hazara Singh
(Person in occupation of the property)
(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One property situated in Bazar Karmon Deori (Amritsar) as mentioned in the sale deed No 2897/I dated 11-1-80 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Chanderpuri Tylor Road Amritsar

Date 6-9-1980

Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh. Narinder Singh Sarkaria s/o Gian Singh r/o Kot Khalsa, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Dr. Guibax Singh s/o S. Varyam Singh r/o Court Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th August 1980

Ref. No. ASR/80-81/120.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot at Court Road, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar, on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land Khasra No. 3450/932/6 (No. 52-35) situated at Court Road, Amritsar, near Rialto Cinema Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2910 dated 11-1-1980 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-8-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1980

Ref No. ASR/80-81/121.—Whereas, I, ANAND SINGH JRS
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property at Daya Nand Nagar, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balwant Singh Bindra s/o Sh. Hari Singh r/o Outside Mahan Singh Gate, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Smt. Prem Soni w/o Sh. Mohan Lal, Sudershan Kumari w/o Sh. Madan Lal, Beena Soni w/o Sh. Raman Kumar, r/o 67 Daya Nand Nagar, Amritsar.
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in house No. 1980/2 outside Mahan Singh Gate (area 171 $\frac{1}{2}$ sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 2893/I dated 11-1-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range,
 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date : 6-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
Amritsar, the 6th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/122.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot at Islama Bad Abadi Kishan Nagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar

on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Khejanchi Lal w/o Isher Dass r/o Navan Kot Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Amar Singh s/o Guranditta Mal r/o 92 Sant Nagar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/2 share in plot of land measuring 245 $\frac{1}{4}$ sq mtrs. situated in Islama Bad Abadi Kishan Nagar, as mentioned in the sale deed No. 3052/I dated 21-1-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—286GI/80

Date : 6-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/123.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land in Islamabad and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at SR Amritsar.

on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Khajanchi Lal s/o Ishar Dass r/o Nawan Kot, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Daljit Kaur w/o Amar Singh r/o 92, Sant Nagar, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in plot measuring 245-1/2 sq. mtrs. situated in Islamabad Abadi Kishan Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3054/I dated 21-1-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-9-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 6th September 1980

Ref No. ASR/80-81/124.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 19, Rattan Chand Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Shiv Dayal s/o Niranjan Dass r/o Katra Mohar Singh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Brij Kishan s/o Sh. Kishan Chand, Vandhu s/o Sh. Brij Kishan r/o Kothi No. 19 Rattan Chand Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One kothi No. 19 situated at Rattan Chand Road (Khasra No. 562) Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2840/I dated 8-1-80 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-9-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Mohinder Singh s/o Tara Singh r/o Vill. Majitha Teh. Amritsar.
(Transferor)

(2) Sh. Bachan Singh s/o Teja Singh 2/3 share Sohal Singh s/o Teja Singh 1/3 share r/o Vill. Nangal Pannuan, Teh. Amritsar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/347.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land in Vill. Majitha (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar.

on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 33K 16 marlas chahi situated in village Majitha, as mentioned in the sale deed No. 5860/dated 14-1-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-9-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Kalinath Sapui.

(Transferor)

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Maya Banerjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 17th June 1980

Ref. Ac-II/R-II Cal 80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55A, situated at Goalpara Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 28-1-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

I and measuring 2K—12CH—18Sq. ft with two storied building situated at premises No. 55A, Goalpara Road, under P. S. Behala.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Calcutta

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-6-1980

Seal :

